▪ ज्येष्ठ कृष्णा - 7 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 301 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 30-05-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राम मंदिर बनाने वालों और राम भक्तों पर गोली चलाने वालों में से किसी एक को चुनें : अमित शाह

6 पाकिस्तान में किनके निशाने पर हैं पंजाबी ?

7 'महारागिनी' में प्रभुदेवा के साथ नजर आएगी काजोल

फर्स्ट टेक

अमरनाथ के लिए ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग जून के पहले सप्ताह से

जम्मू/वार्ता। श्रीअमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर की ऑनलाइन बुकिंग जून के पहले सप्ताह में शुरू होगी। यह यात्रा 29 जून से शुरू होकर 19 अगस्त को समाप्त होगी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा, यात्रा पर जाने के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवा की ऑनलाइन बुकिंग जून के पहले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड हेलीकॉप्टर बुकिंग की ऑनलाइन बुकिंग ,आखिरी तारीख और किराया तथा अन्य जानकारियों के संबंध में जल्द ही वेबसाइट पर जानकारी मुहैया करायेगा। तीर्थयात्रियों के लिए अग्रिम रजिस्ट्रेशन पहले ही 15 अप्रैल से शुरू कर दिया गया है।

गाजा और मिस्र की सीमा से लगे अहम सामरिक गलियारे पर नियंत्रण स्थापित किया : इजराइली सेना

तेल अवीव/एपी। इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि उसने गाजा की मिस्र से लगती सीमा पर स्थित सामरिक रूप से अहम गलियारे पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। फिलाडेल्फी के नाम से जाना जाने वाला यह गलियारा पड़ोसी देश मिस्र की सीमा पर दक्षिणी गाजा शहर रफह के पास है, जहां हाल ही में इजराइली सेनाएं लड़ रही हैं। मिस्र से गाजा में तस्करी करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सुरंगें इसी इलाके में स्थित हैं। सेना ने हालांकि, इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

'रूसी सैनिकों के साथ लड़ाई में यूक्रेन के 400 सैनिकों की मौत'

मॉस्को/वार्ता। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया कि यूक्रेन के दोनेत्स्क और लुहांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर और एलपीआर) में पिछले 24 घंटों में रूस के जैपेड (पश्चिम) समूह के साथ लड़ाई में 400 यूक्रेनी सैनिकों की मौत हो गयी है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यूक्रेनी सशस्त्र बलों को 400 सैनिकों, दो टैंकों और 11 कारों (रूसी सशस्त्र बलों के पश्चिमी समूह के साथ लड़ाई में अन्य क्षिति के अलावा) का नुकसान हुआ है। उसने बताया कि समूह ने दो जवाबी हमलों को भी विफल कर दिया है। रूस के केंद्रीय समूह ने डीपीआर में पांच जवाबी हमलों को विफल कर दिया और यूक्रेन ने 335 सैनिकों को खो दिया है, जबकि दक्षिणी समूह ने अपनी सामरिक स्थिति में सुधार किया और यूक्रेन के 245 सैनिकों को मार गिराया।

30-05-2024 सूर्यास्त	31-05-2024 सूर्योदय
6:42 बजे	5:52 बजे

BSE	NSE
74,502.90	22,704.70
(-667.55)	(-183.45)

सोना	चांदी
7,458 रु.	91,797 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

खीझिए मत

आए कितने ही आक्रांता,
क्या बदला सब परिवेश कहो।
बदली कितनी ही फैशन पर,
क्या बदला देशी भेष कहो।
कितने दल आए और गए,
बदले क्या सब आदेश कहो।
इक दल के जीत जाने से ही,
कैसे हारा यह देश कहो।।

बारिश का कहर

असम में चक्रवाती तूफान 'रेमल' के प्रभाव से लगातार हो रही बारिश की वजह से बुधवार को राज्य की कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे आठ जिलों में बाढ़ आ गई। बाढ़ की वजह से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 40,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से नगांव, हैलाकांडी, कार्बी आंगलोंग, करीमगंज, कछार, होजाई, गोलाघाट और पश्चिम कार्बी आंगलोंग प्रभावित हुए हैं।

गर्मी का कहर

दिल्ली में तापमान 50 डिग्री तक पहुंचा

मुंगेशपुर, नरेला और नजफगढ़ में लगभग 50 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में बुधवार को गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और यहां मुंगेशपुर इलाके में अधिकतम तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह राष्ट्रीय राजधानी में अब तक दर्ज किया गया सर्वाधिक तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि वह किसी भी संभावित त्रुटि के लिए क्षेत्र के मौसम विज्ञान केंद्र के सेंसर और आंकड़ों की जांच कर रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी और उत्तर भारत के कई हिस्से पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी की चपेट में हैं। यहां कम से कम तीन मौसम केंद्रों - मुंगेशपुर, नरेला और नजफगढ़ - ने मंगलवार को भी लगभग 50 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया। दिल्ली के प्राथमिक मौसम विज्ञान केंद्र सफदरजंग वेधशाला में बुधवार को अधिकतम तापमान 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 79 वर्षों में सबसे अधिक है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार 17 जून, 1945 में दिल्ली का अधिकतम तापमान 46.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

लोगों को उनकी जरूरत से ज्यादा मुफ्त राशन मिल रहा है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विक्रमगंज (बिहार)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दावा किया कि मुफ्त राशन योजना के तहत लोगों को उनकी जरूरत से अधिक खाद्यान्न मिल रहा है और वे बचे हुए राशन को बाजार में बेच देते हैं । बिहार के काराकाट संसदीय क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में विक्रमगंज में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ''जहां तक गरीबी का सवाल है, आज यदि पांच किलो मुफ्त राशन लोगों को मिल रहा है, आप ईमानदारी से बताइए....एक घर में चार लोग हैं तो चारों लोग पांच-पांच किलो (अनाज) लेते हैं। जब पूरा (अनाज) खा नहीं पाते तो कुछ ले जाकर बेच देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें नहीं लगता कि हमने लोगों को शौचालय और पक्के मकान प्रदान करके कोई एहसान किया है, क्योंकि हम सेवा की भावना के साथ राजनीति करते हैं।''

अपने देश को बचाने के लिए

100 बार जेल जाने को तैयार हूं : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालंधर/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि उन्हें अपने देश को ''बचाने'' के लिए जेल जाने पर गर्व है। केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में अपनी अंतरिम जमानत अवधि समाप्त होने पर दो जून को आत्मसमर्पण करना है।

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक ने खुद की तुलना स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह से करते हुए यहां पीटीआई की वीडियो सेवा से कहा, ''मैं भगत सिंह का अनुयायी हूं। यदि देश को बचाने के लिए मुझे 100 बार जेल जाना पड़ा तो मैं जाऊंगा।''

केजरीवाल उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। न्यायालय ने उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। उन्हें कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में मार्च में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चार जून को आम चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 200 से कम सीट मिलेंगी, जबकि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' 300 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगा।

केजरीवाल पिछले कुछ दिन से पंजाब में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''वे (भाजपा) कहते हैं कि केजरीवाल भ्रष्टाचार में लिप्त हैं...उनके पास इसका एक भी सबूत नहीं है। लोग कह रहे हैं कि यदि केजरीवाल भ्रष्ट है, तो इस दुनिया में कोई भी ईमानदार नहीं है।''

आईएसआईएस से जुड़े होने के संदेह में श्रीलंका में दो और लोग गिरफ्तार

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका पुलिस ने प्रतिबंधित इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से कथित तौर पर जुड़े होने के मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएसआईएस के साथ कथित संबंधों को लेकर भारत में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने पिछले दिनों श्रीलंका के चार नागरिकों को गिरफ्तार किया था। चारों लोग इंडिगो कंपनी की एक उड़ान से 19 मई को कोलंबो से चेन्नई आए थे। श्रीलंका के सुरक्षा बलों को शक है कि 46 वर्षीय उस्मानद जेर्राड उपरोक्त चार श्रीलंकाई नागरिकों का आका है और श्रीलंका से भारत में दाखिल होने के लिए उनकी मदद करता है। श्रीलंका पुलिस ने संदिग्ध के ठिकाने की विश्वस्त सूचना देने पर हाल में 20 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। अधिकारियों ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने आईएसआईएस सदस्यों के साथ कथित संबंधों को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि अब तक की जांच में यह पुष्टि नहीं हुई है कि दोनों आईएसआईएस के सदस्य हैं। इस बीच, कोलंबो मजिस्ट्रेट की अदालत ने बुधवार को एक विश्वविद्यालय के व्याख्याता को जमानत दे दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर लगाया आरोप

पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ के कारण जनसांख्यिकी बदल रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काकद्वीप (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ के कारण जनसांख्यिकी बदल रही है तथा अवैध तरीके से प्रवेश करने वाले लोग स्थानीय युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों को छीन रहे हैं।

मोदी ने यह भी दावा किया कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार फर्जी जाति प्रमाण पत्र जारी कर 'मूल' ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के अधिकार मुसलमानों को दे रही है। उन्होंने कहा, ''बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी को बदला जा रहा है। टीएमसी धार्मिक रूप से प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के खिलाफ है। वे सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) का इतना विरोध क्यों कर रहे हैं? ये लोग (तृणमूल नेता) सीएए के बारे में झूठ क्यों बोल रहे हैं?''

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त है ताकि घुसपैठिए बंगाल में बस सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतुआ समुदाय के सदस्यों को भारतीय नागरिकता उसी सम्मान के साथ मिलेगी, जिसके वे हकदार हैं।

मोदी ने काकद्वीप में इस लोकसभा चुनाव में राज्य में अपनी आखिरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस नहीं चाहती कि हिंदू और मतुआ बंगाल में रहें। उन्होंने कहा, ''एक वर्ग के तुष्टीकरण के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार उस संविधान पर खुलेआम हमला कर रही है जिसने दलितों और पिछड़ी जातियों को आरक्षण दिया है। लेकिन पश्चिम बंगाल में आरक्षण की खुली लूट हुई... मुसलमानों को फर्जी ओबीसी प्रमाणपत्र जारी किए गए।'' उन्होंने कहा, ''कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इन झूठे प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया है लेकिन तृणमूल कांग्रेस इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। वे अदालत के फैसले के बारे में गलत जानकारी फैलाकर मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं। जरा सोचिए, कि तुष्टिकरण के लिए वे किस हद तक जा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज घुसपैठिए युवाओं को मिले अवसर छीन रहे हैं।

चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन

महबूबा मुफ्ती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर में निर्वाचन अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के खिलाफ आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा के खिलाफ धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि महबूबा और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के बिजबेहरा इलाके में विरोध प्रदर्शन किया था। महबूबा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने के लिए मेरे खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होना 'हास्यास्पद' है। सत्ता के सामने सच बोलने की कीमत पीडीपी को चुकानी पड़ी है।

भारत ने हवा से सतह पर मार करने वाली 'रुद्रम' मिसाइल का सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

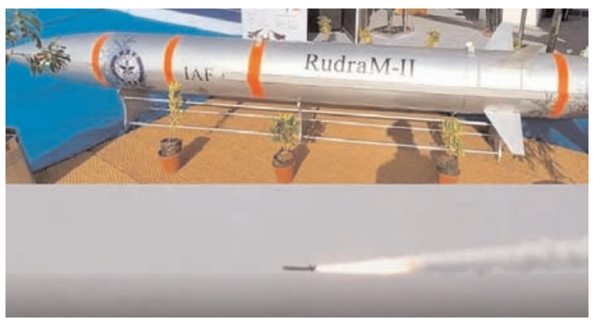

नई दिल्ली/बालासोर/भाषा। भारत ने ओडिशा तट से भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के सुखोई-30 लड़ाकू विमान से हवा से सतह पर मार करने वाली 'रुद्रम' मिसाइल का बुधवार को सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रुद्रम-खख मिसाइल के उड़ान परीक्षण ने सभी परीक्षण उद्देश्यों को पूरा कर लिया है।

रुद्रम-II स्वदेशी रूप से विकसित ठोस प्रणोदक वायु-प्रक्षेपित मिसाइल प्रणाली है, जो दुश्मन के विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है। विभिन्न डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित कई अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को मिसाइल प्रणाली में शामिल किया गया है।

मंत्रालय ने कहा, ''डीआरडीओ ने 29 मई को पूर्वाह्न लगभग साढ़े 11 बजे ओडिशा के तट पर भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमके-ख प्लेटफॉर्म से हवा से सतह पर मार करने वाली रुद्रम-खख मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।''

सरकार ने बंगाल, हरियाणा और उत्तराखंड में सीएए के तहत नागरिकता देनी शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने नागरिकता अधिनियम (सीएए) के तहत पश्चिम बंगाल, हरियाणा और उत्तराखंड में नागरिकता देने की शुरुआत कर दी है। गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। भारत सरकार ने दिसंबर 2019 में बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से 31 दिसंबर 2014 को या इससे पहले आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारतीय नागरिकता देने के लिए सीएए बनाया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और हरियाणा की अधिकार प्राप्त समितियों ने तीनों राज्यों के आवेदकों को बुधवार को नागरिकता प्रदान की।

नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 की अधिसूचना के बाद दिल्ली की अधिकार प्राप्त समिति ने पहली बार भारतीय नागरिकता प्रदान की। इन आवेदकों को 15 मई को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह सचिव ने नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपा।

नागरिकता प्रमाणपत्रों की यह दूसरी किस्त बुधवार को जारी की गई। एक जून को लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से कुछ दिन पहले यह कदम उठाया गया है।

पश्चिम बंगाल में कई सीट पर शनिवार को अंतिम चरण में मतदान होगा। मतगणना चार जून को होगी।

राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद कानून को अधिसूचित कर दिया गया था लेकिन भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए नियम चार साल की देरी के बाद 11 मार्च को जारी किए गए।

सीएए नियमों में आवेदन पत्र के प्रारूप, जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) द्वारा आवेदनों पर कार्रवाई की प्रक्रिया, राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एसएलईसी) द्वारा जांच और नागरिकता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।

आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आगे बढ़ेगी। सीएए के 2019 में पारित होने के बाद देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था और प्रदर्शनकारियों ने इसे 'भेदभाव' वाला करार दिया था।

भाजपा सत्ता में लौटी तो संविधान, लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालासोर (ओडिशा) 29 मई (भाषा) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए बुधवार को दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता में लौटती है, तो लोकतंत्र और संविधान दोनों खतरे में पड़ जाएंगे।

ओडिशा के बालासोर संसदीय क्षेत्र में एक चुनावी रैली में खरगे ने कहा, ''इस चुनाव में अगर आप भाजपा को नहीं हराते हैं, तो हमारा संविधान और लोकतंत्र दोनों खतरे में पड़ जाएंगे, साथ ही आपका भविष्य भी।'' उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए देश की आरक्षण नीति खतरे में पड़ जाएगी।

खरगे ने मौजूदा सरकार की आलोचना करते हुए कहा, ''मौजूदा शासन में युवा सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है और पूरे देश में संकट है।

हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी इन मुद्दों के प्रति उदासीन हैं। उनका एकमात्र ध्यान सत्ता बरकरार रखने पर है।''

चीन में एक पूर्व बैंकर को रिश्वत लेने के जुर्म में मौत की सजा

बीजिंग/भाषा। चीन की एक अदालत ने 15.1 करोड़ डॉलर की घूस लेने के जुर्म में एक पूर्व बैंकर को मौत की सजा सुनायी है जो अपने आप में विरला मामला है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बुधवार को बताया कि चाइना हुआरोंग इंटरनेशनल होल्डिंग्स (सीएचआईएच) के पूर्व महाप्रबंधक बाई तिआनहुई को मंगलवार को तिआनजिन की एक अदालत ने मौत की सजा सुनायी। तिआनजिन की एक अदालत द्वारा सुनाए फैसले के अनुसार, उसके आजीवन राजनीतिक अधिकार भी छीन लिए गए और उसकी सारी संपत्ति जब्त कर ली गयी है। उसकी अवैध आय को बरामद किया जाएगा और उसे सरकारी खजाने में जमा कराया जाएगा।

अदालत ने कहा कि बाई ने भारी रकम के बदले में अधिग्रहण और परियोजनाओं के वित्त पोषण में दूसरों की मदद करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

उसने कहा कि बाई के कृत्य रिश्वत का अपराध हैं। रिश्वत के तौर पर ली गयी रकम बड़ी है, अपराध की परिस्थितियां गंभीर है और इसका सामाजिक असर बहुत खराब है जिससे देश और लोगों के हितों को काफी नुकसान पहुंचा है।

लोस चुनाव में महिला उम्मीदवारों की संख्या 2009 की तुलना में 2024 में 2.6 प्रतिशत बढ़ी : एडीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव लड़ने वाली महिला उम्मीदवारों की संख्या में 15 वर्ष में लगातार वृद्धि देखी गई है और यह संख्या 2009 में सात प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 9.6 प्रतिशत हो गई है। चुनाव अधिकारों से संबंधित संस्था 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है।

एडीआर के विश्लेषण के अनुसार, इस वर्ष 797 महिलाएं मैदान में हैं, जो कुल 8,337 उम्मीदवारों का 9.6 प्रतिशत है। यह पिछले आम विधानसभा चुनावों की तुलना में वृद्धि को दर्शाता है। इसके अनुसार, वर्ष 2019 में नौ प्रतिशत, 2014 में आठ प्रतिशत और 2009 में सात प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व दर्ज किया गया था।

एडीआर के अनुसार, 2009 के लोकसभा चुनाव में 556 महिला उम्मीदवार थीं, जो कुल 7,810 उम्मीदवारों का करीब सात प्रतिशत थीं। वर्ष 2014 में यह संख्या बढ़कर 640 (8,205 का आठ प्रतिशत) हो गई और 2019 में 716 (7,928 का नौ प्रतिशत) हो गई। इस वर्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख दलों में सबसे आगे है, जिसके 440 लोकसभा उम्मीदवारों में से 69 महिला उम्मीदवार हैं, जो इसके कुल उम्मीदवारों का 16 प्रतिशत है। कांग्रेस के 327 उम्मीदवारों में से 41 महिलाएं हैं, जो 13 प्रतिशत है। छोटे दलों और क्षेत्रीय उम्मीदवारों में महिला उम्मीदवारों का अनुपात उल्लेखनीय रूप से अधिक है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में 40% महिला उम्मीदवार हैं, जिनमें से पांच में से दो महिलाएं हैं। एडीआर के अनुसार, प्रमुख दलों में, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सबसे कम यानी तीन-तीन प्रतिशत है। एडीआर के अनुसार, इस वर्ष के संसदीय चुनावों में उल्लेखनीय महिला प्रतिनिधित्व वाले कुछ दलों में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और बीजू जनता दल (बीजद) शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक में 33 प्रतिशत, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में 29 प्रतिशत महिला उम्मीदवार हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) में 20 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व है, जबकि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) में 25 प्रतिशत महिला उम्मीदवार हैं।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के लोकसभा उम्मीदवारों में से 13 प्रतिशत महिलाएं हैं और बहुजन समाज पार्टी के लिए यह आंकड़ा आठ प्रतिशत है। एडीआर के अनुसार, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) जैसी पार्टियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व क्रमश: 14 प्रतिशत और सात प्रतिशत है। जनता दल (यूनाइटेड) और शिवसेना में 13-13% महिला उम्मीदवार हैं, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा में 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवार हैं। इसके अनुसार, 19 अप्रैल को हुए पहले चरण के चुनाव में कुल 1,618 उम्मीदवारों में से केवल 135 महिलाएं थीं।

एडीआर के मुताबिक, 26 अप्रैल को हुए दूसरे चरण के मतदान में 1,192 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें 100 महिला उम्मीदवार थीं। सात मई को हुए तीसरे चरण के मतदान में 1,352 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें 123 महिला उम्मीदवार थीं।

मुख्यमंत्री सुक्खू के बयानों में दिखता है कांग्रेस की हार का डर : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर (हिप्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस ने हिमाचल में अपनी हार पहले ही स्वीकार कर ली है और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के बयानों से भी यह पता चलता है। भाजपा नेता ने अपने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में कई चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''सुक्खू आज तक छात्र राजनीति से ऊपर नहीं उठ पाए और वह मुख्यमंत्री की तरह बात नहीं करते।'' हिमाचल प्रदेश की चार लोकसभा सीट के लिए मतदान एक जून को होगा और इसके साथ ही उसी दिन छह विधानसभा सीट पर उपचुनाव भी होगा।

हमीरपुर से पुन: जीत की उम्मीद कर रहे ठाकुर ने कहा, ''हिमाचल में भाजपा की लहर देखकर मुख्यमंत्री घबरा गए हैं और बड़सर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।'' ठाकुर ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने पूर्व में कहा था कि बड़सर में 55 लाख रुपये बरामद किए गए, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने द्वारा लगाए गए आरोप का कोई सबूत साझा नहीं किया और न ही संबंधित राशि राज्य के खजाने में जमा की गई। इसके अलावा, प्रशासन और पुलिस को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि यह पैसा कहां मिला और किसे मिला।'' इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस संबंध में शिमला में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष शिकायत भी दर्ज कराई।

भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा कि मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले बड़सर विधानसभा क्षेत्र के किसी होटल से 55 लाख रुपये बरामद होने का आरोप लगाया था। इसने कहा कि यह मतदाताओं को गुमराह करने के लिए झूठा, काल्पनिक, मनगढ़ंत और मानहानिकारक आरोप है। शिकायत में कहा गया कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्वाचन आयोग और उसके नाम का दुरुपयोग किया जा रहा है। भाजपा ने कहा कि अब यह निर्वाचन आयोग को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना है कि ऐसी कोई बरामदगी हुई थी या नहीं। इसने मामले में सुक्खू के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री को एहसास हो गया है कि आगामी लोकसभा चुनाव और हिमाचल प्रदेश में उपचुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ेगा और इसी वजह से सभी कांग्रेस नेता झूठे तथा आधारहीन आरोप लगा रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा रही भाजपा नीत केंद्र सरकार : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हिमाचल प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र समेत लघु और मध्यम उद्योगों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि नोटबंदी और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के कार्यान्वयन से राज्य के पर्यटन उद्योग पर असर पड़ा है। गांधी ने कहा कि अगर कांग्रेस लोकसभा चुनाव जीतकर सत्ता में आई तो वह लघु और मध्यम व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस क्षेत्र को मजबूत करेगी।

कुल्लू में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बंदरगाहों, हवाई अड्डों और कोयला खदानों जैसी देश की सार्वजनिक संपत्ति को अपने उद्योगपति मित्रों को सौंपने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया, ''आज हिमाचल प्रदेश में भी अधिकतम कोल्ड स्टोर अडाणी के स्वामित्व में हैं, जो सेब की कीमत और सेब उत्पादकों का भाग्य तय करते हैं।'' इसके अलावा, गांधी ने दावा किया कि अमेरिका से आने वाले सेबों पर आयात शुल्क कम कर दिया गया है, जबकि स्थानीय उत्पादकों को कृषि उपकरणों व औजारों पर लगाया गया जीएसटी चुकाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस कारण, राज्य के सेब उत्पादक अमेरिका से आयातित सेबों से प्रभावित हो रहे हैं, जिनकी बाजारों में भरमार है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब कोविड टीकों के कारण लोग मर रहे हैं जबकि भाजपा ने टीके बनाने वालों से 52 करोड़ रुपये का चंदा लिया था। उन्होंने कहा कि 55 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस सबसे अमीर पार्टी नहीं बन सकी, लेकिन भाजपा सिर्फ 10 साल में दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई है।

मंडी लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने कहा कि अगर 'इंडि' गठबंधन की सरकार बनी तो राज्य की गरीब महिलाओं को हर महीने 10 हजार रुपये- लोकसभा चुनाव के घोषणापत्र में घोषित 8,500 रुपये और हिमाचल प्रदेश में पार्टी की सरकार के वादे के अनुसार 1,500 रुपये- मिलेंगे।

राज्य की सभी चार लोकसभा सीट के लिए मतदान अंतिम चरण में एक जून को होगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सुंदर राज्य है और सुसंस्कृत राजनीति का प्रतीक है। उन्होंने राज्य के लोगों से देश की राजनीति को सही दिशा में ले जाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा, मोदी जी हिमाचल को अपना दूसरा घर कहते हैं, लेकिन उन्होंने न तो राज्य को कोई विशेष पैकेज दिया और न ही उन्होंने अब तक के सबसे खराब मानसून को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया। उन्होंने कहा कि इसके बजाय उन्होंने राज्य में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई कांग्रेस सरकार को गिराने का हर संभव प्रयास किया।

'आप' को एक परिवार चला रहा है : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) को एक परिवार चला रहा है तथा उन्होंने दल के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर धन शोधन मामले में गिरफ्तार होने के बाद भी दिल्ली के मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ने के लिए निशाना साधा। मंगलवार रात 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में यादव ने कहा कि लोगों को अब केजरीवाल पर भरोसा नहीं रहा और भारत के संविधान निर्माताओं की आत्मा इस बात पर रो रही होगी कि कोई व्यक्ति जेल से सरकार कैसे चला सकता है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस साल मार्च में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को आबकारी नीति 'घोटाले' से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। यह मामला दिल्ली सरकार की 2021-22 के लिए आबकारी नीति को बनाने तथा लागू में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन से संबंधित है। इस नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। केजरीवाल फिलहाल अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या 'आप' को कांग्रेस की तर्ज पर एक ही परिवार चला रहा है, यादव ने कहा, एक ही परिवार पार्टी (आप) चला रहा है। अब तो उनकी पत्नी भी सामने आ गई हैं। यादव ने कहा, '' लोग अब उन पर विश्वास नहीं करते क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में भाग लेते समय बड़े-बड़े दावे किए थे जो झूठे निकले....जैसे उन्होंने (केजरीवाल ने) कहा था कि वह कभी सुरक्षा नहीं लेंगे, लेकिन उन्होंने ली, वह कभी सरकारी घर नहीं लेंगे, लेकिन उन्होंने ले लिया। उन्होंने कहा था कि वह कोई राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे, लेकिन उन्होंने अपने गुरु (अन्ना हजारे) की बात भी नहीं सुनी और पार्टी बना ली। मुख्यमंत्री के मुताबिक, केजरीवाल ने कहा था कि वह सबको साथ लेकर चलेंगे, लेकिन उन्होंने कुमार विश्वास, शाजिया इल्मी और आशुतोष जैसे लोगों के साथ अन्याय किया, जो अच्छे नेता थे।

दंतेवाड़ा में दो महिला नक्सलियों समेत 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में बुधवार को दो महिला नक्सलियों समेत 10 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों के सामने 10 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली इंद्रावती एरिया कमेटी में सक्रिय थे।

उन्होंने बताया कि नक्सली पुलिस के पुनर्वास अभियान 'लोन वर्राटू' से प्रभावित हैं तथा माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं।

स्पाइसजेट के खिलाफ एनसीएलटी में दिवाला याचिका दाखिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

SpiceJet

नई दिल्ली/भाषा। विमानों का इंजन मुहैया कराने वाली कंपनी इंजन लीज फाइनेंस (ईएलएफ) ने करीब 100 करोड़ रुपये की देनदारी के मामले में कर्ज संकट में फंसी एयरलाइन स्पाइसजेट के खिलाफ दिवाला अर्जी दाखिल की है। ईएलएफ ने स्पाइसजेट को आठ विमान इंजन पट्टे पर दिए हुए हैं। उसने दावा किया है कि स्पाइसजेट पर किराये एवं ब्याज समेत करीब 1.6 करोड़ डॉलर की देनदारी बनती है।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की दिल्ली पीठ ने बुधवार को इस याचिका पर संक्षिप्त सुनवाई की। इस दौरान स्पाइसजेट के वकील ने याचिका पर अपना पक्ष रखने के लिए समय देने की गुहार लगाई। इस पर महेंद्र खंडेलवाल और संजीव रंजन की पीठ ने स्पाइसजेट को याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। आयरलैंड के शैनन में स्थित ईएलएफ विमान इंजन का वित्तपोषण करने और पट्टे पर देने वाली अग्रणी कंपनी है।

ईएलएफ ने वर्ष 2017 में स्पाइसजेट को इंजन पट्टे पर देने का समझौता किया था। स्पाइसजेट अप्रैल, 2021 से ही समय पर भुगतान नहीं कर रही है।

आधार से जुड़ी वित्तीय सेवाओं को अपनाने में पूर्वोत्तर राज्य आगे: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वोत्तर राज्य और जम्मू-कश्मीर 'आधार' से जुड़ी वित्तीय सेवाओं को तेजी से अपना रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनी पेनियरबाय की रिपोर्ट कहती है कि एईपीएस के लेनदेन मूल्य में 1,000% की उच्च वृद्धि और लेनदेन की संख्या में 712% की वृद्धि के साथ मेघालय शीर्ष पर है। उसके बाद नगालैंड एवं असम का स्थान आता है। वित्त वर्ष 2023-24 में जम्मू-कश्मीर की खुदरा दुकानों में लेनदेन मूल्य में 134% से अधिक और आधार-सक्षम भुगतान लेनदेन की मात्रा में 89% की वृद्धि देखी गई। शाखा-रहित बैंकिंग एवं डिजिटल नेटवर्क प्रदान करने वाली कंपनी पेनियरबाय की 'आत्मनिर्भर भारत- डिजिटल सशक्तीकरण' रिपोर्ट पूरे देश में 12 लाख से अधिक खुदरा केंद्रों पर हुए लेनदेन से हासिल जानकारी पर आधारित है।

आग लगने से पूर्वी दिल्ली में 16 कार जलकर खाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार में नगर निगम द्वारा संचालित पार्किंग क्षेत्र में पिछली रात आग लगने से 16 कार जलकर खाक हो गयीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना की सूचना देर रात एक बजकर 17 मिनट पर मिली और इसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उनके अनुसार दमकल की नौ गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में मामला दर्ज किया है तथा जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि ये कार स्थानीय लोगों की थीं जो किराये पर पार्किंग क्षेत्र में अपने वाहन खड़ा करते हैं। पहले अधिकारियों ने बताया था कि आग लगने की घटना में 17 कार जलकर खाक हो गयीं, लेकिन बाद में मधु विहार के थाना प्रभारी राजेश सिन्हा ने इस बात की पुष्टि की कि इस आग में 16 वाहन जल गये। डीएफएस अधिकारी यशवंत मीणा ने बताया, ''कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए लेकिन हमने बाकी को बचा लिया। घटना में कोई नहीं झुलसा।'' एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि यह घटना पार्किंग क्षेत्र में झाड़ियों में आग लगने के कारण हुई होगी। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अपूर्वा गुप्ता ने कहा, ''यह पार्किंग केंद्र दिल्ली जल बोर्ड के कार्यालय के समीप है। इस घटना में 16 चार पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गये जो पार्किंग में खड़े थे। बाकी गाड़ियों को नुकसान होने से बचा लिया गया।'' इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है तथा अब तक आग का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा, अपराध (जांच) दल को निरीक्षण के लिए घटनास्थल पर बुलाया गया।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के ओएसडी को निलंबित किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने निजी नर्सिंग होम के अनियमित और अवैध पंजीकरण में कथित संलिप्तता के सिलसिले में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) आर एन दास को बुधवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने कहा, ''ओएसडी को निलंबित करने का तात्कालिक कारण शाहदरा के ज्योति नर्सिंग होम को वैध पंजीकरण अवधि से परे अनधिकृत और अवैध रूप से चलाने के संबंध में कथित कदाचार है, जब वह नर्सिंग होम प्रकोष्ठ के चिकित्सा अधीक्षक भी थे।'' भाजपा ने दिल्ली के विवेक विहार इलाके में बच्चों के एक अस्पताल की पंजीकरण प्रक्रिया में भी दास की भूमिका होने का आरोप लगाया है। इस अस्पताल में आग लगने की घटना में छह नवजात की मौत हो गई थी। सतर्कता निदेशालय ने आदेश में कहा, '' दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल ने सीसीएस (सीसीए) नियम, 1965 के नियम-10 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) डॉ आर एन दास को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। '' दास को 2021 में कोविड-19 महामारी के दौरान 60 करोड़ रुपये मूल्य के व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, दस्ताने, मास्क और रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) किट जैसे विभिन्न चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित अनियमितताओं के संबंध में अप्रैल में सतर्कता निदेशालय द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संजय राउत को मानहानि नोटिस भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक मानहानिकारक लेख को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत को नोटिस जारी किया जिसमें दावा किया गया था कि शिंदे ने लोकसभा चुनाव में सहयोगी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के उम्मीदवारों को हराने का प्रयास किया। राउत ने 28 मई की तारीख का कानूनी नोटिस 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही रोचक और हास्यास्पद राजनीतिक दस्तावेज है।

मुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों ने पुष्टि की है कि नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि 26 मई को शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में अपने लेख में राउत ने झूठा दावा किया कि शिंदे ने 'असीमित धनराशि' खर्च कर प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में करोड़ों रुपये बांटे। नोटिस के अनुसार लेख में आगे दावा किया गया है कि शिंदे ने यह सब अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों की हार सुनिश्चित करने के लिए किया। नोटिस में कहा गया है कि ये दावे न केवल झूठे बल्कि अपमानजनक व निंदनीय हैं और लोगों को गुमराह करने व अशांति पैदा करने के लिए किए गए हैं।

नोटिस में कहा गया है, आपने अपने और अपने तथाकथित नेता श्री उद्धव बालासाहेब ठाकरे के लिए नाम, प्रसिद्धि और राजनीतिक लाभ पाने के मकसद से यह मानहानिकारक लेख प्रकाशित किया है। नोटिस में राउत से आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने को कहा गया है।

नोटिस के अनुसार, यदि वह ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उन्हें तीन दिन में माफी मांगनी होगी अन्यथा उन्हें आपराधिक और दीवानी कार्यवाही का सामना करना होगा।

नोटिस साझा करते हुए राउत ने 'एक्स' पर लिखा, 50 खोके एकदम ओके। इसे कहते हैं उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। गैर संवैधानिक मुख्यमंत्री श्रीमान शिंदे ने हमें एक कानूनी नोटिस भेजा है। बहुत ही रोचक और हास्यास्पद राजनीतिक दस्तावेज है। अब आयेगा मजा!! जय महाराष्ट्र!

नकदीरहित इलाज की अनुमति पर एक घंटे में निर्णय लें स्वास्थ्य बीमा कंपनियां : इरडा

नई दिल्ली/भाषा। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने स्वास्थ्य बीमा पर एक मूल परिपत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि बीमा कंपनी को अनुरोध के एक घंटे के भीतर नकदी-रहित इलाज की अनुमति देने पर निर्णय लेना होगा।

इरडा ने बयान में कहा कि स्वास्थ्य बीमा उत्पादों पर परिपत्र ने पहले जारी किए गए 55 परिपत्रों को निरस्त कर दिया है। यह बीमाधारकों के सशक्तीकरण को सुदृढ़ करने और समावेशी स्वास्थ्य बीमा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीमा नियामक ने कहा, परिपत्र में बीमाधारक/संभावितों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य बीमा नीति में पात्रताओं को उनके आसान संदर्भ के लिए एक स्थान पर लाया गया है और साथ ही स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले पॉलिसीधारक को निर्बाध, तेज दावा अनुभव प्रदान करने और स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में उन्नत सेवा मानकों को सुनिश्चित करने के उपायों पर जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि बीमा कंपनियों द्वारा सभी आयु, क्षेत्रों, चिकित्सा स्थितियों/सभी प्रकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए विविध बीमा उत्पादों की पेशकश करके 'उत्पाद/एडऑन/राइडर्स' उपलब्ध कराकर बीमाधारकों की सामर्थ्य के अनुरूप व्यापक विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे।

मुंबई के समीप मालगाड़ी पटरी से उतरी, कई ट्रेन रद्द, कई का समय बदला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण पश्चिमी रेलवे को कई ट्रेनों का परिचालन रद्द करने के साथ ही कई ट्रेनों का समय बदलना पड़ा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि घटनास्थल पर मरम्मत का काम जारी है।

पश्चिमी रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार दोपहर तक 41 रेलगाड़ियां रद्द कर दी गईं, 28 आंशिक रूप से रद्द कर दी गईं, 12 के मार्ग में परिवर्तन किया गया और 22 रेलगाड़ियों के समय में परिवर्तन किया गया। दोपहर को जारी बुलेटिन में पश्चिमी रेलवे ने कहा कि दहानु रोड (पालघर जिले में) और मुंबई के बीच लोकल ट्रेन सेवाएं (आने-जाने के लिए) शाम तक फिर से शुरू हो जाएंगी। रेलवे के एक प्रवक्ता ने पहले बताया था कि मंगलवार शाम 5.08 बजे मुंबई से करीब 100 किलोमीटर दूर पालघर में मालगाड़ी के सात डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे गुजरात से मुंबई आने वाली रेलगाड़ियों का यातायात प्रभावित हुआ। अधिकारियों के मुताबिक दुर्घटना के 15 घंटे बाद भी रेल मार्ग बहाल करने का कार्य जारी है। विशाखापत्तनम से गुजरात के करम्बेली की ओर जा रही मालगाड़ी में 43 डिब्बे थे और उस पर लोहे के तार के बंडल लदे हुए थे। रेलवे सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा गार्ड वाले डिब्बे सहित मालगाड़ी के पीछे के सात डिब्बे पटरी से उतर गए और उनमें रखे लोहे के तार के कुछ बंडल गिर गए। सूत्रों के मुताबिक डिब्बों के पटरी से उतरने और तार के बंडलों के कारण पटरियों और पटरियों के किनारों पर लगे खंभों को काफी नुकसान हुआ। पश्चिमी रेलवे ने इस दुर्घटना के कारण कई ट्रेनों को पूर्ण व आंशिक रूप से रद्द करने और कुछ ट्रेनों की यात्रा को गंतव्य से पहले समाप्त करने तथा कुछ के मार्ग परिवर्तित करने की घोषणा की है। पश्चिमी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि पटरी से उतरे सभी डिब्बों को घटनास्थल से हटा दिया गया है और मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है।

खाता

बेंगलूरु में इन दिनों पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों के लिए अपने ग्राहकों के लिए नया आईपीपीबी एकाउन्ट खुलाना एक सिरदर्द बन गया है। लोकसभा चुनाव में भाजपा और इंडि गठबंधन द्वारा की गई महिलाओं को पैसे देने की बात को लेकर राज्य की अल्पसंख्यक महिलाएं एवं बीपीएल कार्ड होल्डर महिलाएं बहुत ही गंभीरता से ले लिया हैं। उन्होंने चुनाव परिणाम आने के पहले से ही पोस्ट ऑफिस में अपना एकाउन्ट खुलवाना शुरु कर दिया है। एक के देखा देखी दूसरा वहां एकाउन्ट खुलवाने पहुंच रहा है जिसके कारण बड़ी संख्या में महिलाएं पोस्ट ऑफिस में एकाउन्ट खुलवाने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते नजर आ रही हैं। यह पैसा कौन डालेगा इसके बारे में पूछने पर कोई कांग्रेस कहता है तो कोई मोदी का नाम लेता है। डाकघर के कर्मचारियों के लिए यह कार्य एक सिरदर्द बन गया है। लगभग 10 दिनों से यह काम राज्य के सभी पोस्ट ऑफिस में चल रहा है। आईपीपीबी एकाउन्ट में पैसे आने की अफवाह के चलते लोग खाता खुलवा रहे हैं ।

भाजपा और मधु बंगारप्पा के बीच गरमाया वाक-युद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा के क्रिकेटर एमएस धोनी सरीखे हेयरस्टाइल को लेकर उनके और भाजपा के बीच इन दिनों तीखी बहस छिडी हुई है। भाजपा के कुछ नेताओं ने बंगारप्पा के लंबे, अस्त-व्यस्त बालों को खारिज किया तो कुछ ने उन्हें बाल कटवाने की पेशकश भी की है। यह विवाद बंगरप्पा के कन्नड़ को धाराप्रवाह पढ़ने में अपनी कठिनाई को स्वीकार करने के बाद शुरू हुआ।

मधु बंगारप्पा

तनाव तब और बढ़ गया जब बंगारप्पा के भाई और भाजपा के कुमार बंगारप्पा ने उनके स्नातक होने के दावे को चुनौती देते हुए उनकी शैक्षणिक साख पर सवाल उठाया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बंगारप्पा के बढ़े बालों पर कटाक्ष करते हुए लगभग सलाह ही देते हुए कहा कि शिक्षा क्षेत्र से जुड़े किसी व्यक्ति को तो विशेष रूप से खुद को व्यवस्थित रूप में जनता के सामने पेश करना चाहिए। उन्होंने कहा शिक्षा विभाग हमारे छात्रों के भविष्य को आकार देती है। अगर शिक्षा मंत्री को किसी स्कूल का दौरा करना है, तो यह उचित है कि वह अपने बालों को कंघी करें और खुद को साफ-सुथरा प्रस्तुत करें।

बंगारप्पा ने इस कटाक्ष पर पलटवार करते हुए विजयेंद्र को अपने मामलों और यहां तक कि उन्हें अपने बालों को ट्रिम करने की पेशकश भी की। विजयेंद्र ने शैक्षिक मानकों में गिरावट के बारे में चिंताओं और नेताओं द्वारा विशेष रूप से सौंदर्य और दिखावे में सकारात्मक उदाहरण स्थापित करने की आवश्यकता का हवाला देते हुए अपना रुख स्पष्ट किया। बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में, विजयेंद्र ने साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व पर बल देते हुए बंगारप्पा के बाल कटाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव रखा।

उन्होंने कहा कि अगर वित्तीय समस्या है, तो मैं अपने युवा मोर्चा को हर महीने उसके बाल कटवाने का खर्च वहन करने का निर्देश दूंगा। उन्हें बाल कटवाने दीजिए और अब से साफ-सुथरा रहने दीजिए। हालांकि, बंगारप्पा ने पलटवार करते हुए भाजपा की चुनावी असफलताओं की ओर इशारा किया और ठोस शासन के बजाय सतही मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने पर सवाल उठाया।

मुलाकात

बुधवार को दिल्ली में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर उनके साथ अतिरिक्त निजी सचिव बीएस श्रीधर, केपीसीसी प्रवक्ता डॉ. शंकर गुह, महासचिव विजय धनगुंड भी थे।

उच्च सदन चुनाव में बीजेपी-जेडीएस गठबंधन को समर्थन दें : डॉ अश्वथनारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीजेपी हमेशा युवाओं, स्नातकों और शिक्षकों के लिए खड़ी रही है। पूर्व डीसीएम डॉ. सी.एन. अश्वत्थनारायण ने अनुरोध किया कि इस बार के विधानसभा चुनाव में बीजेपी-

जेडीएस गठबंधन को समर्थन देना चाहिए, इससे कई सुधार आएंगें। 29 मई को मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा-जेडीएस गठबंधन दलों ने स्नातकों और शिक्षकों के मुद्दे पर केंद्र और राज्य में प्रभावी ढंग से काम किया है। उन्होंने कहा कि कई सुधार, प्रगति और नये कानून बनाये गये हैं। उन्होंने बताया कि ये दोनों पार्टियां शिक्षकों और स्नातकों के हित में लगातार काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शिक्षकों की भूमिका और प्रशासनिक नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कांग्रेस ने शिक्षकों की परवाह और सम्मान किये बिना शासन किया है। कांग्रेस पार्टी की नीतियां शिक्षकों, स्नातकों के खिलाफ हैं। हालाँकि, भाजपा ने सहायता प्राप्त संस्थानों में पदों को भरने, शिक्षकों के पक्ष में कई सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रशासन ने भर्ती पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी।

पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा के कार्यकाल में इस पद को भरने की इजाजत दी गई थी। उस समय अनुदान देने के मामले में भत्ता और आदेश भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि ज्ञान आयोग और तीसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की शुरुआत के साथ बड़े सुधार किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने कौशलपूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कांग्रेस पार्टी द्वारा राजनीतिक कारणों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध किया गया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि उन्होंने अचानक यह रुख अपना लिया है कि वे बिना वैज्ञानिक सोच-विचार के, बिना चर्चा और समीक्षा के अचानक राष्ट्रीय शिक्षा नीति को हटा देंगे और राज्य की शिक्षा नीति लाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कांग्रेस सरकार ने सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू नहीं की और प्रदेश को कर्ज में फंसा दिया। उन्होंने ओपीएस के बारे में झूठे वादे किये। उन्होंने आलोचना की कि उसी यूपीए सरकार ने एनपीएस लागू किया था। उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस हमेशा शिक्षा क्षेत्र को बर्बाद करने में लगी रहती है। इस मौके पर बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा भी उनके साथ संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित थे।

प्रज्ज्वल को लौटने पर हवाई अड्डे से ही गिरफ्तार किया जाएगा : गृह मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपी प्रज्ज्वल रेवन्ना को यहां हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दो दिन पहले जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित सांसद प्रज्ज्वल ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा था कि वह 31 मई को विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होंगे। इसके बाद मंत्री ने यह बयान दिया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, हासन के सांसद ने म्युनिख से बेंगलूरु का 30 मई का हवाई टिकट बुक कराया है और वह 31 मई तड़के यहां पहुंच सकते हैं।

परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा, सभी जरूरी उपाय किए जाएंगे क्योंकि उनके (प्रज्ज्वल) के खिलाफ वारंट जारी किया गया है। उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। एसआईटी इंतजार कर रही है। वे उन्हें गिरफ्तार करेंगे और उनका बयान लेंगे और फिर एसआईटी की प्रक्रिया शुरू होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रज्ज्वल को हवाई अड्डे पर ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा तो उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी हवाई अड्डे पर ही होनी चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ वारंट जारी है। प्रज्ज्वल (33) जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राजग के उम्मीदवार हैं। उन पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप है। बताया जाता है कि वह हासन में मतदान होने के एक दिन बाद 27 अप्रैल को जर्मनी चले गए थे।

पेन ड्राइव वितरित करने के मामले में एसआईटी द्वारा दो लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा कि इस मामले में जो भी शामिल है, उसे गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस संबंध में 11-12 लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। यौन शोषण का यह मामला हासन में कई पेन ड्राइव वितरित किए जाने के बाद सामने आया था।

परमेश्वर ने विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन पर अपने बयान का बचाव किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को अपने उस बयान का बचाव किया जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार को आगामी विधान परिषद चुनावों के लिए पार्टी उम्मीदवारों के नाम खुद तय नहीं करने चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने उम्मीदवारों के चयन के लिए स्क्रीनिंग समिति या वरिष्ठ पार्टी नेताओं की उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित करने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा कि अब बहुत देर हो चुकी है क्योंकि चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है जबकि मामला दिल्ली में पार्टी आला कमान तक पहुंच गया है।

डेलॉयट ने कारोबार को बढ़ावा देने के लिए बेंगलूरु में 'फिजिटल' नावाचार केंद्र खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सबसे बड़े व्यावसायिक सेवा नेटवर्क डेलॉयट ने बेंगलूरु में अपनी तरह का पहला 'फिजिटल' नवाचार केंद्र खोला है। यह फिजिटल (फिजिकल+डिजिटल) नवाचार केंद्र व्यवसायों को लागत कम करने और दक्षता बढ़ाने में मदद करने के लिए क्षेत्र-विशिष्ट समाधान प्रदान करता है।

डेलॉयट इंडिया के साझेदार और रणनीति, नवाचार व संपत्ति प्रमुख अश्विन वेलोडी ने कहा कि नवाचार एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (डीसीआईटी) का मकसद ग्राहकों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए नए तथा टिकाऊ तरीके खोजने में मदद करना और 'नवाचार की संस्कृति'' को बढ़ावा देना है। वेलोडी ने पीटीआई-भाषा' से कहा कि डीसीआईटी एक प्रौद्योगिकी-आधारित परियोजना है। यह फिजिटल अनुभव के जरिए व्यवसाय मॉडल को क्रियान्वित करने में सहायता करेगी। यह केंद्र 12,500 वर्ग फुट में फैला हुआ है। इसमें पांच प्रभाग खुदरा, विनिर्माण, डिजिटल स्टूडियो, 'इमर्सिव' और उन्नत संपर्क है।

पहला दिन

बुधवार से पूरे कर्नाटक में स्कूल फिर से शुरु हो रहे हैं। बेंगलूरु के होम्बे गौड़ा नगर के मारुति एचपीएस स्कूल में स्कूल के पहले दिन बच्चे।

प्रज्ज्वल रेवन्ना की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने बलात्कार के एक मामले में बुधवार को जनता दल सेक्युलर (जद एस) के निलंबित नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। रेवन्ना पर कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत ने रेवन्ना के वकील अरूण द्वारा दायर जमानत आवेदन को खारिज कर दिया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रज्ज्वल ने 30 मई को म्यूनिख से बेंगलूरु आने के लिए हवाई टिकट बुक कराया है तथा 31 मई को तड़के उनके यहां पहुंचने की संभावना है। जद (एस) सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल पर 47 साल की एक महिला के यौन उत्पीड़न का आरोप है। कहा जाता है कि वह हासन लोकसभा सीट पर मतदान होने के एक एक बाद 27 अप्रैल को जर्मनी चले गये थे और अब तक फरार हैं।

एक विशेष अदालत ने एसआईटी (विशेष जांच दल) के आवेदन पर प्रज्ज्वल के खिलाफ 18 मई को गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। बाद में एसआईटी ने उनके पिता एवं जद (एस) विधायक एच डी रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया जो महिला के अपहरण में कथित रूप से शामिल थे। अब सभी लोगों की नजरें केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टिकी हैं जहां प्रज्ज्वल के 31 मई को पहुंचने की संभावना है। उनके हवाई अड्डे पर उतरते ही एसआईटी उन्हें गिरफ्तार कर सकती है।

इस बीच, प्रज्ज्वल की मां भवानी रेवन्ना ने अपने पति से जुड़े अपहरण मामले में गिरफ्तारी की आशंका से विशेष (निर्वाचित प्रतिनिधि) अदालत में अग्रिम जमानत अर्जी दायर की है। एसआईटी ने उन्हें अग्रिम जमानत देने का विरोध किया है । उसने इसी मामले में एच डी रेवन्ना को मिली अंतरिम अग्रिम जमानत को रद्द करने की भी मांग की है। भवानी रेवन्ना की अग्रिम जमानत अर्जी पर आदेश 31 मई के लिए सुरक्षित रख लिया गया है।

कन्याकुमारी में मोदी के ध्यान करने के कदम का कांग्रेस ने किया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के मतदान से पहले यानी कि 30 मई को कन्याकुमारी ध्यान करने जा रहे हैं, जहां वो विवेकानंद रॉक मेमोरियल पर ध्यान साधना करेंगे, जिसका अब तमिलनाडु कांग्रेस ने विरोध किया है। तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष सेल्वापेरुन्थगई ने बयान जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि ऐसी स्थिति में जब चुनाव आचार संहिता लागू है, प्रधानमंत्री को इस तरह की गतिविधि करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि चुनाव आयोग को इसका संज्ञान लेकर प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम का विरोध करना चाहिए और उन्हें ऐसा करने से रोकना चाहिए।

आईटीआई लिमिटेड

सीआईएन सं: एल32202केए1950जीओआई000640
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: आईटीआई भवन, दूरवाणीनगर, बेंगलूरु - 560016
वेबसाइट : www.itiltd.in; ई-मेल: cosecy_crp@itiltd.co.in
दूरभाष: +91(80) 2561 7486; फैक्स: +91 (80) 2561 7525

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही एवं समाप्त वर्ष के लिए समेकित लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

लाख रु. में सिवाए प्रति शेयर आँकड़े

क्रम सं.	विवरण	समाप्त तिमाही 31.03.2024 लेखापरीक्षित	समाप्त तिमाही 31.12.2023 अलेखापरीक्षित	समाप्त तिमाही 31.03.2023 लेखापरीक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2024 लेखापरीक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2023 लेखापरीक्षित
1.	प्रचालन से कुल आय	60,128	25,884	77,526	126,363	139,545
2.	कर से पहले की अवधि का निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक मद और अपवादी मद के पहले कर)	(23,894)	(10,169)	(7,289)	(56,906)	(36,010)
3.	कर के पूर्व निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पश्चात कर)	(23,894)	(10,169)	(7,289)	(56,906)	(36,010)
4.	कर के पश्चात की अवधि का निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पश्चात कर)	(23,882)	(10,125)	(7,200)	(56,892)	(35,985)
5.	अवधि के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)	2,439	(1,519)	(4,964)	(2,121)	(6,079)
6.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ / (हानि) (कर के पश्चात्) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात्) शामिल]	(21,443)	(11,644)	(12,164)	(59,013)	(42,064)
7.	इक्विटी शेयर पूँजी का भुगतान	96,089	96,089	94,958	96,089	94,958
8.	अन्य इक्विटी (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियाँ को शामिल किए बिना) जैसा कि पिछले वर्ष की लेखापरीक्षित तुलन-पत्र में दिखाया गया है ।	(71,256)	(11,644)	(2,714)	82,346	142,489
9.	अर्जन प्रति शेयर (10 रू./प्रति) (जारी रखने एवं बंद किए गए कार्यों के लिए)					
	1. बेसिक (रू. में)	(2.49)	(1.05)	(0.76)	(5.93)	(3.81)
	2. डायल्युटेड (रू. में)	(2.49)	(1.05)	(0.76)	(5.93)	(3.81)

टिप्पणी :

क) उपर्युक्त वित्तीय परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा 28.05.2024 को समीक्षा की गई और संस्तुति के पश्चात् निदेशक मंडल द्वारा 28.05.2024 को संपन्न बैठक में अनुमोदित किए गए ।

ख) **स्टैंडअलोन कुंजी की वित्तीय जानकारी :**

विवरण	समाप्त तिमाही 31.03.2024 लेखापरीक्षित	समाप्त तिमाही 31.12.2023 अलेखापरीक्षित	समाप्त तिमाही 31.03.2023 लेखापरीक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2024 लेखापरीक्षित	समाप्त वर्ष 31.03.2023 लेखापरीक्षित
प्रचालन से कुल आय	60,128	25,884	77,526	126,363	139,545
कर के पूर्व लाभ	(23,894)	(10,169)	(7,289)	(56,906)	(36,010)
कर के पश्चात लाभ	(23,894)	(10,169)	(7,289)	(56,906)	(36,010)
अवधि के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)	2,439	(1,519)	(4,964)	(2,121)	(6,079)
अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर के पश्चात्) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात्) शामिल]	(21,455)	(11,688)	(12,253)	(59,027)	(42,089)

ग) उपर्युक्त स्टॉक एक्सचेंजों के सम्मुख सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत प्रस्तुत 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का उद्धरण है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष की लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाामों का पूरा प्रारूप बीएसई लिमिटेड की वेबसाईट www.bseindia.com पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाईट www.nseindia.com और कंपनी की वेबसाईट www.itiltd.in पर उपलब्ध है।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते आईटीआई लिमिटेड

स्थान: बेंगलूरु
दिनांक: 28.05.2024

राजीव श्रीवास्तव
निदेशक-वित्त एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी

प्रदर्शन

बुधवार को बेल्लारी में कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) में घोटाले पर मंत्री बी नागेंद्र के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

हीटवेव में भजनलाल जनता का दुख जानने सड़क पर उतरे, विपक्ष को दिया करारा जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के मुखिया भजनलाल शर्मा ने भरतपुरी अंदाज में बुधवार को पूर्व सीएम अशोक गहलोत व विपक्ष को करारा जवाब दिया है। मुख्यमंत्री आवास और कार्यालय छोड़कर भजनलाल शर्मा लोगों का दुख दर्द जानने के लिए लू के थपेड़ों के बीच सड़क पर उतर आए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिर पर गमछा बांधा और सड़क पर निकल पड़े। कहीं उन्होंने जनता का दुख दर्द जाना तो कहीं सरकारी दफ्तरों में जाकर हालात का जायजा लिया। कहीं अफसरों को फटकारा तो कहीं उनकी हौसला अफजाई कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उनका मकसद था कि भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिलनी चाहिए। अफसर भी एसी रूम में बैठने की बजाय फील्ड में जाएं, अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें और लोगों को राहत पहुंचाएं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामनिवास बाग पर पंप हाउस में पानी वितरण की व्यवस्था देखी। इस मौके पर उन्होंने पक्षियों के लिए परिंडे बांधने और दाना पानी की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। विपक्ष पर हमला बोलते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि विपक्ष केवल एसी कमरों में बैठकर ट्वीट कर रहा है। इससे लोगों को राहत नहीं मिल सकती। जनता का दुख दर्द जानना है तो ग्राउंट जीरो पर जाना पड़ता है।

राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर

लगभग समूचा राजस्थान इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है और मौसम विभाग ने अगले दो दिन तेज लू चलने का 'रेड अलर्ट' जारी किया है। हालांकि उसके बाद अधिकतम तापमान में कुछ कमी आएगी। राजस्थान में मंगलवार को अधिकतम तापमान चुरू में 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 7.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के अधिकतर हिस्से भीषण लू की चपेट में हैं। इसके अनुसार राज्य के कुछ भागों में आगामी 48 घंटों के लिए भीषण लू के लिए 'रेड' व 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। हालांकि 31 मई से लू की तीव्रता व क्षेत्र में कमी होने की संभावना है। इसके अनुसार 31 मई से दो जून तक जयपुर, बीकानेर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में आंधी बारिश की संभावना है। राज्य में एक जून से लू से राहत मिलेगी और अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से नीचे आएगा।

पेयजल को लेकर किया निरीक्षण

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल ने शर्मा भीषण गर्मी में पेयजल आपूर्ति एवं पानी समस्या के मद्देनजर बुधवार को राजधानी जयपुर में रामनिवास बाग पर स्थित पंप हाउस का औचक निरीक्षण किया। शर्मा प्रचंड गर्मी में दोपहर बाद औचक निरीक्षण के लिए सड़क पर निकल पड़े और रामनिवास बाग़ पर पंप हाउस में पानी वितरण की व्यवस्था को देखा और अधिकारियों को निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान भीषण गर्मी एवं लू से बचने के लिए सिर पर सफेद कपड़ा बांध रखा था। उल्लेखनीय है कि हाल में मुख्यमंत्री सेन्ट्रल पार्क में पक्षियों के लिए परिन्डे बांधे और पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए थे।

ईआरसीपी के नाम पर झूठी वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है भाजपा नीत सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्यान्वयन को लेकर बुधवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर आरोप लगाया कि वह इसके नाम पर झूठी वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है। गहलोत ने यह भी कहा कि राजस्थान सरकार जल्द से जल्द इस संबंध में मध्य प्रदेश सरकार के साथ किए गए समझौते को सार्वजनिक करे। गहलोत ने इस परियोजना के तहत बने पहले बांध नौनेरा का परीक्षण जल्द शुरू होने संबंधी खबर साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, नयी सरकार ईआरसीपी के नाम पर थोथी वाहवाही लेने का काम कर रही है जबकि राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच हुए समझौते (एमओयू) को जनता के बीच नहीं रखा गया है और ना ही पानी की मात्रा का कोई जिक्र है।

उन्होंने कहा, ईआरसीपी को केंद्र सरकार से राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलवाकर पुराने डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) के मुताबिक सिंचाई के पानी सहित ईआरसीपी बनाने से हमारे हित सुरक्षित रहते। गहलोत ने पोस्ट में भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, राजस्थान सरकार जल्द से जल्द मध्य प्रदेश सरकार के साथ हुआ एमओयू सार्वजनिक करे जिससे राजस्थान की जनता को पता चले कि उनके हित सुरक्षित रहे हैं या नहीं। ऐसा लगता है कि इस एमओयू से बस राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने चुनाव से पहले झूठी वाहवाही लूटने का प्रयास किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार ने ईआरसीपी का काम शुरू किया था जिसके तहत नौनेरा और ईसरदा बांध बनने शुरू हो गए थे। कोरोना के कारण करीब दो साल काम बंद रहा लेकिन अब नौनेरा बांध का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि काम में किसी तरह का व्यवधान ना हो इसके लिए कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती सरकार ने 13,500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था। गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दो बार ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का वादा किया था जिसे उन्होंने पूरा नहीं किया।

गहलोत ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि वह 'स्लिप डिस्क' की परेशानी के चलते बुधवार को चुनावी कार्यक्रम में भाग नहीं ले पाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा, आज चंडीगढ़ में मेरी प्रेस वार्ता एवं (पंजाब के)गढ़शंकर में कांग्रेस प्रत्याशी विजय इंद्र सिंगला के समर्थन में रैली प्रस्तावित थीं। इसके लिए कल शाम को चंडीगढ़ पहुंच गया था लेकिन कल रात से स्लिप डिस्क संबंधी परेशानी होने के कारण डॉक्टरों की सलाह पर सारे कार्यक्रम रद्द करते हुए वापस जयपुर आना पड़ा है।

देश के आधुनिकतम क्लबों में से एक होगा कांस्टिटयूशन क्लब ऑफ राजस्थान : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अगुवाई में चार सदस्य दल ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित कांस्टिटयूशन क्लब ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों के साथ बैठक करके कांस्टिटयूशन क्लब की कार्य शैली और क्लब के सदस्यों को दी जाने वाली सुविधाओं के साथ ही क्लब की कार्य प्रणाली के के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दल में राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी और राजेंद्र गहलोत भी उपस्थित थे। बैठक के बाद देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा द्वारा जयपुर में बनाया गया राजस्थान कांस्टिटयूशन क्लब देश के बेहतरीन क्लबों में से एक है जो संवैधानिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को एक ही जगह पर सर्वश्रेष्ठ एवं नवीनतम सुविधा प्रदान करने का स्थान होगा। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही 'कांस्टिटयूशन क्लब ऑफ राजस्थान' को शुरू करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज हम कांस्टिटयूशन क्लब ऑफ इंडिया की कार्य प्रणाली को जानने के लिए यहां आए हैं ताकि इस क्लब की सभी अच्छाइयों को और बेहतर तरीके से कांस्टिटयूशन क्लब ऑफ राजस्थान में सम्मिलित किया जा सके। देवनानी ने कहा कि कांस्टिटयूशन क्लब ऑफ राजस्थान आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित देश का सबसे भव्य और बेहतरीन संविधान क्लब है, जहां विधानसभा के सदस्य पूर्व सदस्यों के अनुभव का लाभ उठा सकेंगे। संविधान क्लब लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और विधानसभा सदस्यों के विचारों के आदान-प्रदान का एक मंच बनेगा। देवनानी ने दल के सदस्यों के साथ कांस्टिटयूशन क्लब ऑफ इंडिया के सभी खंडों का अवलोकन किया तथा वहां की कार्यप्रणाली को गहराई से समझा।

पूर्ववर्ती सरकार ने विरासत में दिया जर्जर बिजली तंत्र : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा है कि राज्य सरकार को पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कुप्रबंधन और अदूरदर्शिता के कारण बिजली तंत्र चरमराई हालत में मिला है लेकिन अब बेहतर प्रबंधन से प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही हैं। नागर ने अपने बयान में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर प्रदेश में बिजली के उत्पादन, वितरण और प्रसारण तंत्र की जमकर अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी विरासत में छोड़ी गई कमियों के बावजूद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बेहतर प्रबंधन तथा एक्सचेंज से बिजली खरीदकर प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है।

नागर ने बताया कि कांग्रेस सरकार के समय एक्सचेंज से महंगी दरों पर बिजली खरीदी गई। उनके आर्थिक कुप्रबंधन के कारण राज्य के डिस्कॉम्स 88 हजार 700 करोड़ रुपए के ऋण के साथ दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए तथा समस्त बिजली कम्पनियों पर एक लाख 39 हजार 200 करोड़ रुपए से अधिक का ऋण भार आ गया। समय पर ऋण ना चुका पाने के कारण बिजली कम्पनियों पर 300 करोड़ रुपए की पेनल्टी भी लगाई गई जबकि वर्ष 2013 से 2018 की तत्कालीन भाजपा सरकार ने उदय योजना के माध्यम से बिजली कम्पनियों के 62 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज अपने ऊपर लेकर उन्हें ऋणभार से मुक्ति दिलाई थी।

उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने की सोच के साथ आगे बढ़ रही है। हमारी सरकार ने आते ही 31 हजार 825 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन की विभिन्न परियोजनाओं सहित ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए एक लाख 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश के लिए राज्य के तीन विद्युत निगमों एवं छह केन्द्रीय उपक्रमों के बीच एमओयू किए। इससे आने वाले समय में बिजली उत्पादन के क्षेत्र में राजस्थान आत्मनिर्भर बनेगा। हम इन प्रोजेक्टों को जमीनी स्तर पर परिणत करने की दिषा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने बैंकिंग व्यवस्था के तहत वर्ष 2023 के सितम्बर माह में रबी सीजन की बिजली की मांग को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से बिजली लेने का करार किया था। कांग्रेस सरकार के उस कर्ज को हमारी सरकार चुका रही है। ऐसे विषम समय में जबकि हमारी सरकार प्रदेशवासियों के लिए एक-एक यूनिट बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने में जुटी है, पूर्ववर्ती सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णय के कारण प्रतिदिन 147 लाख यूनिट बिजली लौटानी पड़ रही है।

नागर ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई पीएम-कुसुम योजना घटक सी (फीडर लेवल सोलराइजेशन) में पूर्ववर्ती राज्य सरकार के समय कोई प्रगति नहीं हुई। प्रदेश में वर्ष 2021 और 2022 में इस योजना में एक भी कार्यादेश जारी नहीं किए गए। गत दिसम्बर तक 15 हजार 300 कृषि उपभोक्ताओं के सोलराइजेशन के लिए केवल 139 मेगावाट सौर पीवी क्षमता के कार्यादेश जारी किए गए।

गहलोत स्लिप डिस्क के कारण लौटे जयपुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत स्लिप डिस्क की परेशानी के कारण लोकसभा चुनाव में पंजाब में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार का कार्यक्रम बीच में छोड़कर वापस जयपुर लौट आये हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि बुधवार को उनकी चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता एवं गढ़शंकर में कांग्रेस प्रत्याशी विजय इंद्र सिंगला के समर्थन में जनसभा प्रस्तावित थीं। इसके लिए मंगलवार शाम को चंडीगढ़ पहुंच गया था परन्तु उसी रात से स्लिप डिस्क संबंधी परेशानी होने के कारण डॉक्टरों की सलाह पर सारे कार्यक्रम रद्द करते हुए वापस जयपुर आना पड़ा है। उन्होंने कहा मेरी पंजाब के सभी मतदाताओं से अपील है कि किसानों एवं सैनिकों के सम्मान, लोकतंत्र की रक्षा एवं देश में सौहार्द बनाए रखने के लिए कांग्रेस को वोट दें एवं अपने क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाएं।

अनिवार्य सेवानिवृत्त आसान नहीं, सीएस के आदेश के खिलाफ खुलकर सामने आए कर्मचारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत के अनिवार्य सेवानिवृत्ति वाले आदेश ने कर्मचारी संगठनों और सरकार को आमने-सामने ला खड़ा किया है। राजस्थान के कर्मचारी संगठन अब इस आदेश के विरोध में खुलकर आए गए हैं। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि मुख्य सचिव सहित राज्य सरकार के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों ने राज्य कर्मचारियों को डराने धमकाने तथा प्रताड़ित करने और कर्मचारी, सरकारी विभागों, सरकारी विद्यालयों व चिकित्सालयों को बदनाम करने का अभियान चला रखा है। इसी क्रम में 24 मई को कार्मिक विभाग द्वारा जारी मुख्य सचिव के अनिवार्य सेवानिवृत्ति आदेश से कर्मचारियों में आतंक पैदा करने की कोशिश की गई है।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर शर्मा का कहना है कि सरकार कर्मचारियों में आतंक पैदा करना चाहती है और आमजन को कामगारों के खिलाफ भड़काना चाहती है। इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि सरकार के मंत्री ही नहीं बल्कि सत्ताधारी दल के अनेक नेता भी लगातार कर्मचारियों के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। अब तो मुख्यमंत्री ने भी अपने साक्षात्कार में अनिवार्य सेवा निवृत्ति नियम के अनुसार कार्रवाई करने का कहकर कर्मचारियों के डर को बढ़ाने और उन्हें पस्त करने की कोशिश की है। राज्य कर्मचारी सरकार के इस अनुचित व्यवहार से हतप्रभ, आहत और आक्रोशित है।

महासंघ का कहना है कि सरकार अपनी कर्मचारी विरोधी नीतियों से बाज नहीं आई और कर्मचारियों के खिलाफ जारी अनुचित अभियान को नहीं रोका गया तो राज्य का कर्मचारी अपनी मान मर्यादा तथा न्याय के लिए न केवल सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर जाएगा बल्कि सरकार के साजिशपूर्ण कदमों की पोल खोलने के लिए आम जन के बीच भी जाएंगे।

महासंघ के महामंत्री महावीर सिहाग ने बताया कि सरकार शिक्षा, चिकित्सा तथा जनसेवा की सार्वजनिक संस्थानों का निजीकरण करना चाहती है और सरकारी विभागों का आकार घटाना चाहती है। इन जन विरोधी कार्यो को अंजाम देने के लिए कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है ताकि कर्मचारी संगठित रूप से विरोध नहीं कर सके। कर्मचारी भी आमजन है और बांटो तथा राज करो नीति के तहत सरकार आम जन को आपस में बांट देना चाहती है, आपस में टकराना चाहती है। यदि सरकार इसमें सफल हो गई तो जन सामान्य एक तरफ इन सेवाओं से वंचित हो जाएंगे, ऊंची कीमत पर निजी क्षेत्र से यह सेवाएं खरीदनी पड़ेगी और दूसरी तरफ राज्य में लाखों पद समाप्त करके रोजगार के अवसर खत्म कर दिए जाएंगे।

आमजन को बिजली और पानी की समस्या नहीं रहने दी जाएगी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राज्य सरकार को आमजन की समस्या के समाधान के प्रति प्रतिबद्ध बताते हुए प्रदेश की जनता को भरोसा दिलाया हैं कि आने वाले समय में बिजली एवं पानी की कोई समस्या नहीं रहने दी जायेगी। शर्मा भीषण गर्मी में पेयजल आपूर्ति एवं पानी समस्या के मद्देनजर बुधवार को राजधानी जयपुर में रामनिवास बाग पर स्थित पंप हाउस एवं जवाहर सर्किल पंप हाउस का औचक निरीक्षण किया और इसके बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस समय भीषण गर्मी एवं लू का दौर चल रहा है और इस दौरान पर्याप्त बिजली एवं पानी सभी को ठीक प्रकार से मिले इसके लिए राज्य सरकार ने माकूल व्यवस्था की हैं।

उन्होंने कहा कि समर पावर हाउस शुरु किए गए वहीं बिजली की दर दस रुपए को तोड़कर जितने में भी बिजली मिल जाये खरीद कर इसकी पूर्ति की जा रही है। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगस्त-सितंबर 2023 में बिजली की दर चार रुपए एवं साढ़े तीन रुपए प्रति यूनिट से खरीद ली जाती तो आज परेशानी नहीं होती। लेकिन हमारी सरकार ने आमजन को कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए माकूल व्यवस्था की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह वर्ष 2023 में पेयजल योजनाओं का काम भी पूरा नहीं किया गया और उनमें पैसा नहीं लगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बिजली एवं पानी की कोई समस्या नहीं रहने दी जायेगी। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी एवं लू में आमजन को कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए उन्होंने आज जयपुर में दो पंप हाउसों का देखा जहां अच्छी व्यवस्थाएं पाई गई। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को धन्यवाद भी दिया। इससे पहले शर्मा प्रचंड गर्मी में औचक निरीक्षण के लिए सड़क पर निकले और सबसे पहले रामनिवास बाग़ पर पंप हाउस में पानी वितरण की व्यवस्था को देखा और अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने जवाहर सर्किल पंप हाउस का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान भीषण गर्मी एवं लू से बचने के लिए सिर पर सफेद कपड़ा बांध रखा था।

बाघिन एसटी 27 के साथ दिखाई दिये दो शावक

अलवर/दक्षिण भारत। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य में बाघिन एसटी 27 के साथ कैमरा टैप में दो शावक दिखायी दिये हैं, जिससे अधिकारी, कर्मचारियों और वन्य जीव प्रेमियों में खुशी का माहौल है। सरिस्का में अब बाघों का कुनबा बढ़कर 35 हो गया है। एसटी 27 ने पहली बार शावकों को जन्म दिया है। सरिस्का में करीब ढाई महीने में दूसरी बार खुशी की खबर मिली है। इससे पूर्व गत 13 मार्च को बाघिन एसटी12 तीन शावकों के साथ नजर आयी थी। सरिस्का के लिये वर्ष 2024 खुशियां लेकर आया है, जिससे सरिस्का आबाद होता जा रहा है। सरिस्का में वर्तमान में 11 नर , 14 मादा और 10 शावक हैं।

वन मंत्री संजय शर्मा ने इस पर खुशी जाहिर करते हुये सरिस्का के उज्वल भविष्य की कामना की है। सरिस्का में बाहर से और टाइगर लाने के प्रयास किये जायेंगे। बाघों की संख्या बढ़ने से पर्यटन बढ़ेगा।

सरिस्का बाघ अभयारण्य में बाघिन एसटी 27 ने पहली बार शावकों को जन्म दिया है। बाघिन एसटी 27 की टैरिटरी टहला एवं अजबगढ रेंज रही है। कैमरा टैप में शावकों के साथ बाघिन इसी क्षेत्र में दिखाई दी है। बाघिन एसटी 27 के साथ दिखे शावकों की उम्र करीब दो माह है। यह बाघिन एसटी 14 की संतान है। यानी दो शावकों के कैमरा टैप में दिखाई देने से बाघिन एसटी 14 भी नानी बन गयी है। वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार बाघिन एसटी 27 के साथ करीब दो दिन पहले एक शावक दिखाई दिया था इसके बाद बाघिन एसटी 27 की गतिविधियों पर नजदीक से नजर रखी गयी और मंगलवार रात को इस बाघिन के साथ कैमरा टैप में दो शावक नजर आये।

हीटवेव प्रबंधन के लिए राज्य स्तर से सभी जिलों के प्रभारी अधिकारी नियुक्त

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर प्रदेश में हीटवेव के प्रकोप को दृष्टिगत रखते हुए अस्पतालों में आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर से सभी जिलों के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इन सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आवंटित जिलों में दौरा करने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि ये सभी प्रभारी अधिकारी अपने-अपने जिलों में संबंधित प्रभारी सचिव से समन्वय स्थापित कर हीटवेव प्रबंधन को लेकर पाई जाने वाली कमियों का मौके पर ही समाधान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में हीटवेव प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए एक चैकलिस्ट भी तैयार की गई है। श्रीमती सिंह ने बताया कि अस्पतालों में हीटवेव से पीड़ित मरीजों के लिए आरक्षित बैड, दवाइयों, उपकरणों एवं आईस पैक आदि की उपलब्धता के संबंध में निरीक्षण कर पाई गई कमियों का समाधान करेंगे। साथ ही, चिकित्सा संस्थानों में शुद्ध पेयजल हेतु वाटर कूलर, मटके या घड़े, मरीजों के लिए एसी, कूलर एवं पंखें की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।

राम मंदिर बनाने वालों और राम भक्तों पर गोली चलाने वालों में से किसी एक को चुनें : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रॉबर्ट्सगंज/बलिया/देवरिया/महराजगंज (उप्र)/भाषा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि यह चुनाव राम मंदिर बनाने वालों और रामभक्तों पर गोली चलाने वालों के बीच है।

इसके साथ ही शाह ने विपक्ष पर 70 साल से अधिक समय तक राम मंदिर के निर्माण को रोकने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण ही राम मंदिर का निर्माण हो सका। गृह मंत्री ने जनता से कहा, ''यह चुनाव राम मंदिर बनाने वालों और रामभक्तों पर गोली चलाने वालों के बीच है। आप मंदिर बनाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ हैं या रामभक्तों पर गोली चलाने वालों के साथ?'' शाह ने रॉबर्ट्सगंज, बलिया, देवरिया और महराजगंज में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को सम्बोधित किया। उन्होंने दावा

किया कि भाजपा पहले पांच चरण के चुनाव में ही बहुमत हासिल कर चुकी है। उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इन दलों ने तय कर लिया है कि लोकसभा चुनावों में हार का ठीकरा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर फोड़ना है। गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा, ''चार जून को मतगणना है। चार तारीख की दोपहर को दोनों शहजादे (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) संवाददाता सम्मेलन करेंगे और कहेंगे कि ईवीएम खराब थी इसलिए हम चुनाव हार गए।''

शाह ने दावा किया, ''पांच चरणों में भाजपा ने 310 सीट का आंकड़ा पार कर लिया है। राहुल बाबा आपकी पार्टी 40 सीट के आंकड़े को भी पार नहीं कर पायेगी और समाजवादी पार्टी चार सीटों के अंदर ही सिमट जाएगी।''

शाह ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडि' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) के पास प्रधानमंत्री पद का कोई प्रत्याशी ही नहीं है और 130 करोड़ के भारत में बारी-बारी वाले प्रधानमंत्री नहीं चल सकते। उन्होंने कहा, ''यह परचून की दुकान नहीं है। यह 130 करोड़ का महान भारत है। यहां बारी-बारी का प्रधानमंत्री क्या चल सकता है?''

बिहार में भीषण गर्मी के कारण कई स्कूली छात्र बेहोश हुए

पटना/शेखपुरा/बेगूसराय/भाषा। बिहार के शेखपुरा और बेगुसराय जिलों में सरकारी स्कूलों के कई विद्यार्थी बुधवार को भीषण गर्मी के कारण बेहोश हो गये। बिहार में अब तक का सबसे ज्यादा तापमान मंगलवार को औरंगाबाद जिले में दर्ज किया गया जो 47.7 डिग्री सेल्सियस था। बिहार भीषण गर्मी की चपेट में है और राज्य के कई स्थानों पर बुधवार को दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया।

इस बीच बिहार के मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने राज्य में भीषण गर्मी की स्थिति को देखते हुए संबंधित विभागों की तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया ''राज्य में भीषण गर्मी की स्थिति के मद्देनजर संबंधित विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव ने आज राज्य सरकार के आपदा प्रबंधन समूह की एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई है। शेखपुरा जिले के मनकौल मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''बुधवार को अत्यधिक गर्मी की स्थिति के कारण जब प्रार्थना सभा चल रही थी, तब लगभग 6-7 छात्र बेहोश हो गए। हमने प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने की कोशिश की। छात्रों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।'' स्कूलों में छात्र-छात्राओं के बेहोश होने की घटनाएं बेगूसराय और मोतिहारी से भी सामने आईं हैं ।

झारखंड में 'लव जिहाद', 'घुसपैठ जिहाद' में शामिल ताकतों को संरक्षण दे रहा झामुमो नीत गठबंधनः नड्डा

देवघर (झारखंड)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर हमला बोलते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि वह राज्य में 'लव जिहाद', 'भूमि जिहाद' और 'घुसपैठ जिहाद' में शामिल ताकतों को संरक्षण दे रहा है। नड्डा ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ सरकार द्वारा समर्थित ताकतें आदिवासी महिलाओं पर अत्याचार कर रही हैं और उनकी जमीन हड़प रही हैं। इससे एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दावा किया था कि राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन घुसपैठ का समर्थन कर रहा है और झारखंड पर बड़ा संकट मंडरा रहा है।

भाजपा प्रमुख नड्डा ने देवघर में एक चुनावी रैली में कहा, जल, जंगल, जमीन जैसे मुद्दों पर सत्ता में आई सरकार 'भूमि जिहाद और लव जिहाद' में सक्रिय ताकतों को संरक्षण देने में शामिल हो गई है। वे (ऐसी ताकतें) आदिवासी लड़कियों को निशाना बना रही हैं...यह (सरकार) घुसपैठियों के 'जिहाद' को बढ़ावा दे रही है। रेत और ज़मीन की लूट अपने चरम पर है। क्या आप चाहते हैं कि ऐसी सरकार चलती रहे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जैसे नेता आदिवासी आरक्षण छीनकर मुस्लिम तुष्टीकरण में लिप्त हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी संविधान की प्रति अपने पास रखते हैं, लेकिन उसे कभी पढ़ते नहीं हैं। नड्डा ने कहा, राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि आंध्र प्रदेश में चार बार आदिवासी/दलित आरक्षण छीनकर मुसलमानों को क्यों दिया गया... मुझे जवाब चाहिए कि आपने कर्नाटक में दो बार ओबीसी आरक्षण छीनकर मुसलमानों को क्यों दिया... यह असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि जनता का पैसा लूटने वाले भ्रष्ट झामुमो-कांग्रेस नेताओं को जेल भेजा जाएगा।

मिजोरमः भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 29, सात लापता

आइजोल/भाषा। मिजोरम के आइजोल जिले में विभिन्न स्थानों पर हुए भूस्खलन के बाद वहां से चार और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 29 हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सात लोग अभी भी लापता हैं और बचाव दल का अनुमान है कि वे लोग मंगलवार को चक्रवात रेमल के बाद भूस्खलन और लगातार बारिश के बाद विभिन्न स्थानों पर मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं। 28 मई की रात तक कुल 25 शव बरामद किए गए। इनमें से 14 शव खदान धंसने वाली जगह से बरामद हुए। आइजोल के पुलिस अधीक्षक राहुल अलवाल ने बताया कि मंगलवार देर रात से चार और शव बरामद होने के बाद मेथुम में खदान धंसने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है और हिलीमेन में यह संख्या बढ़कर पांच हो गई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को आइजोल के सलेम वेंग इलाके में तीन शव बरामद हुए। इनमें फल्कॉन और ऐबॉक गांवों में दो-दो और लुंगसेई और केलसिह गांव में एक-एक शव मिला। अलवाल के अनुसार 29 पीड़ितों में से 23 मिजोरम निवासी, पांच लोग झारखंड के और एक असम के सिलचर शहर का है। मृतकों में एक चार साल का एक लड़का और एक छह साल की लड़की शामिल है।

ओलंपिक पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार देगा अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ

जिनेवा/एपी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से प्रतिबंधित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (आईबीए) ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में हर स्वर्ण पदक विजेता को वह 50000 डॉलर नकद पुरस्कार देगा । आईओसी ने आईबीए पर प्रतिबंध लगा रखा है और ओलंपिक पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार देने के उसके फैसले को भी मंजूरी नहीं दी है ।

आईबीए ने कहा कि उसके पास 13 भारवर्गों में क्वार्टर फाइनल पहुंचने वाले पुरूष और महिला मुक्केबाजों , उनके कोचों और राष्ट्रीय टीमों के लिये 21 लाख डॉलर ईनामी राशि है । हर ओलंपिक मुक्केबाजी चैम्पियन को 25000 डॉलर और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले को 10000 डॉलर दिये जायेंगे । धन के स्रोत के बारे में स्पष्टता नहीं है लेकिन रूसी मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव की अगुवाई वाले आईबीए को रूसी ऊर्जा फर्म गाजप्रोम का सहयोग मिलता है । आईबीए ने 2023 विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले को दो लाख डॉलर देने का भी वायदा किया था ।

आईओसी ने अप्रैल में विश्व एथलेटिक्स के इस फैसले का भी समर्थन नहीं किया था कि पेरिस में ट्रैक और फील्ड में 48 स्वर्ण पदक विजेताओं को वह 50000 डॉलर देगा । उसने लॉस एंजिलिस ओलंपिक में रजत और कांस्य जीतने वालों को भी पुरस्कार देने का ऐलान किया था ।

आईओसी ने आईबीए की मान्यता रद्द की हुई है और लगातार दूसरी बार ओलंपिक में मुकाबलों के आयोजन में उसकी कोई भूमिका नहीं होगी ।

कांग्रेस, झामुमो आदिवासियों को केवल 'वोट बैंक' मानते : साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

साहिबगंज (झारखंड)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) आदिवासियों को केवल 'वोट बैंक' मानते हैं। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में सत्तारूढ़ झामुमो और कांग्रेस ने राज्य में कोई विकास कार्य नहीं किया है। साहिबगंज जिले में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए साय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और झामुमो ''भ्रष्टाचार में साथी' हैं और उन्होंने जनता के पैसों की लूट की है।

साय ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस और झामुमो आदिवासियों का इस्तेमाल केवल वोट बैंक की तरह करते हैं। उन्होंने कोई विकास कार्य नहीं किया है।'' उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में अलग से आदिवासी मामलों का मंत्रालय बनाया गया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर कांग्रेस आदिवासियों का विकास चाहती तो बहुत पहले यह मंत्रालय बना सकती थी।'' साय ने कहा कि भाजपा ने इस समुदाय का सम्मान किया है। उन्होंने कहा, ''हम आदिवासियों को गर्व है कि आदिवासी बेटी देश की राष्ट्रपति बनी है।'' साय ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरन इसी वजह (भ्रष्टाचार) से सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने कहा, '' कांग्रेस के मंत्री के निजी सहायक के घरेलू सहायक के घर से 37 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई और 351 करोड़ रुपये कांग्रेस के सांसद से जुड़े परिसरों से मिले थे।''

ममता ने दक्षिण 24 परगना में चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दक्षिण 24 परगना जिले में चक्रवात रेमल से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा किया। अधिकारियो ने जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जिले के बरुईपुर में चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद कोलकाता लौटने के दौरान चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा किया। मुख्यमंत्री ने तटीय जिले में चक्रवात से हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त करते हुए मंगलवार को वादा किया था कि वह चुनाव आचार संहिता खत्म होते ही मुआवजे को लेकर निर्णय लेंगी।

'कांग्रेस, सपा मुस्लिम आरक्षण की वकालत करके भारत के विभाजन की जमीन तैयार कर रही हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुशीनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मुस्लिम आरक्षण की वकालत करके देश के एक और विभाजन की जमीन तैयार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में दावा किया गया है कि अगर वे सत्ता में आए तो अल्पसंख्यकों को खाने की आजादी देंगे। उन्होंने कहा कि मुसलमान गायों को काटकर गोमांस खाना चाह सकते हैं, लेकिन हिंदू इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

आदित्यनाथ ने कहा, कांग्रेस और सपा मुस्लिम आरक्षण की वकालत करके देश के विभाजन की

नींव रख रही हैं। वे व्यक्तिगत कानून लागू करना चाहती हैं, लेकिन भाजपा भारत में तालिबान जैसी सरकार नहीं चलने देगी। हमारा देश संविधान से चलेगा, शरिया कानून से नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा जहां विकास के लिए समर्पित है, वहीं कांग्रेस-सपा गठबंधन अपनी फूट डालो और राज करो की नीति पर अड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि वे देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार थे और अब वे देश को जाति, क्षेत्र और भाषाई आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

आदित्यनाथ ने जोर देते हुए कहा कि बी. आर. आंबेडकर धर्म के नाम पर आरक्षण देने के पूरी तरह खिलाफ थे।

उन्होंने कहा कि ये लोग पिछड़े वर्गों, एससी और एसटी के लिए आरक्षण मुसलमानों में बांट देंगे और आंबेडकर ने कहा था कि धर्म कभी भी आरक्षण का आधार नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि कुशीनगर जिले ने 1985 से 2019 तक भाजपा के चिरकालिक नारे 'राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे' को सुना है।

उन्होंने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने राम मंदिर के लिए बाधाएं पैदा कीं, लेकिन जब लोगों ने 'कमल' (भाजपा का चुनाव चिन्ह) को वोट दिया तो सब कुछ बदल गया। उन्होंने कहा, अब हम आने वाली पीढ़ियों को गर्व के साथ बता सकेंगे कि हमने राम मंदिर का निर्माण होते देखा है।

ओडिशा में मोदी ने पूछा, नवीन बाबू की तबीयत खराब होने के पीछे कोई षड्यंत्र तो नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारीपदा/बालासोर (ओडिशा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के स्वास्थ्य में अचानक आई गिरावट के पीछे 'साजिश' की आशंका जताते हुए बुधवार को वादा किया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनी तो वह इस मामले की जांच के लिए एक समिति गठित करेगी।

मयूरभंज और बालासोर लोकसभा सीट पर चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया कि पांच दशक के अंतराल के बाद केंद्र में लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा, ''सवाल ये है कि नवीन बाबू की तबियत खराब होने के पीछे कोई षड्यंत्र है क्या? ये ओडिशा के लोगों को जानने का अधिकार है। कहीं इसमें उस लॉबी का तो हाथ नहीं है न जो नवीन बाबू के नाम पर पर्दे के पीछे ओडिशा में सत्ता भोग रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस रहस्य से पर्दा उठना जरूरी है। इसलिए 10 जून के बाद ओडिशा में भाजपा सरकार बनने के बाद हमारी सरकार एक स्पेशल कमेटी का गठन करेगी और ये जांच करेगी कि अचानक नवीन बाबू की तबियत क्यों गिरती जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''नवीन बाबू की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के पीछे के रहस्य को सामने लाया जाना चाहिए, क्योंकि राज्य के लोगों को इसका कारण जानने का अधिकार है।'' तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले और पटनायक के करीबी माने जाने वाले बीजू जनता दल (बीजद) के नेता वी के पांडियन का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि पूरा ओडिशा चाहता है कि कोई उड़िया राज्य का मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कहा, ''ओडिशा के लोगों ने राज्य में बीजद के 25 साल के शासन पर पूर्ण विराम लगाने का फैसला किया है।'' मोदी ने कहा कि उनके शासन में भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले 10 साल में 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, ''दस साल पहले कोई नहीं सोचता था कि भारत में आतंकवाद को रोका जा सकता है, लेकिन हमने विस्फोटों से अपने प्रमुख शहरों को बचाकर यह दिखाया है। किसी ने नहीं सोचा था कि जम्मू-कश्मीर में शांति लौटेगी लेकिन वहां के लोग अब गणतंत्र दिवस मना रहे हैं और बड़ी संख्या में मतदान कर रहे हैं।''

नवीन पटनायक का मोदी को जवाब : मेरी सेहत ठीक, कर रहा हूं चुनाव प्रचार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को कहा कि उनकी सेहत ठीक है और वह लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव के लिए गत एक महीने से प्रचार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्होंने (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) पूर्व में सार्वजनिक रूप से कहा कि मैं उनका अच्छा मित्र हूं। उन्हें मात्र मुझे फोन करके मेरी सेहत की जानकारी लेनी थी लेकिन ओडिशा एवं दिल्ली में भाजपा के कुछ लोग मेरी सेहत को लेकर अफवाह फैला रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' मैं प्रधानमंत्री को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मेरी सेहत ठीक है और मैं राज्य में विगत एक महीने से चुनाव प्रचार कर रहा हूं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने एक के बाद एक ओडिशा में आयोजित तीन चुनावी रैलियों में दावा किया था कि ओडिशा के मुख्यमंत्री की सेहत ठीक नहीं है और वह नियमित कर्तव्यों को भी पूरा करने की स्थिति में नहीं हैं। मोदी के बयान के कुछ घंटों के बाद ही पटनायक की यह प्रतिक्रिया आई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि अगर ओडिशा की सत्ता में भाजपा आती है तो एक समिति बनाई जाएगी जो पटनायक के स्वास्थ्य में अचानक आई गिरावट का आकलन करेगी।

उच्चतम न्यायालय ने 'आप' विधायक को अंतरिम जमानत देने से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक जसवंत सिंह गज्जन माजरा को अंतरिम जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया। माजरा को बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की अवकाशकालीन पीठ ने ईडी को नोटिस जारी किया और माजरा द्वारा मौजूदा लोकसभा चुनाव के वास्ते प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत के अनुरोध संबंधी याचिका पर जवाब मांगा। विधायक की ओर से पेश वकील ने चुनाव प्रचार के लिए चार जून तक अंतरिम जमानत दिये जाने का अनुरोध किया है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह सभी पक्षों की बात सुने बिना अमरगढ़ से 'आप' विधायक को राहत देने के लिए इच्छुक नहीं है। पंजाब में एक जून को अंतिम चरण में मतदान होगा। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इससे पहले उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने संबंधी उनकी याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इसमें कुछ भी अवैध नहीं है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले साल मई में 40 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में गज्जन माजरा से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की थी। ईडी ने सितंबर, 2022 में कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत उनसे जुड़े कई परिसरों पर छापेमारी की थी।

असम की बराक घाटी, दीमा हसाओ में लगातार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। चक्रवाती तूफान रेमल के परिणामस्वरूप असम की बराक घाटी और दीमा हसाओ के तीन जिलों में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक राज्य के अन्य प्रभावित जिलों में बुधवार को रुक-रुक कर बारिश होने और गरज के साथ बौछारें पड़ने की खबरें मिली हैं। बराक घाटी के करीमगंज, कछार और हैलाकांडी जिलों में बराक नदी तथा इसकी सहायक नदियां लोंगई, कुशियारा, सिंगला और कटाखल कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

इन जिलों के संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और राहत सामग्री मुहैया कराई गई है। गंभीर रूप से प्रभावित दीमा हसाओ जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन ठप्प हो गया है, जिससे पूरे जिले में सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

हरंगाजाओ के पास एक हिस्सा बह जाने के बाद हाफलोंग-सिलचर सड़क पूरी तरह से कट गई है, जबकि हाफलोंग-हरंगाजाओ मार्ग कई भूस्खलन के कारण अवरुद्ध है। हरंगाजाओ क्षेत्र में कई यात्री वाहन फंसे हुए हैं, स्थानीय लोग फंसे हुए यात्रियों को भोजन और आश्रय प्रदान कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि माहुर और लाइसोंग के बीच की सड़क पूरी तरह बह गई है, जिससे लाइसोंग गांव अलग-थलग पड़ गया है और कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं बचा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और दीमा हसाओ पुलिस ने लोगों को उमरोंगसो-लंका मार्ग को छोड़कर रात में यात्रा न करने की सलाह जारी की है।

जिला प्रशासन ने खराब मौसम के कारण स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है और हाफलोंग-हरंगाजाओ मार्ग पर भारी वाणिज्यिक वाहनों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया है।

कोहली, रोहित के पास भारत को 13 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी दिलाने का अंतिम मौका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। ऐसे दो क्रिकेटर मिलना मुश्किल है जो एक-दूसरे से इतने अलग हों लेकिन फिर भी भाग्य के धागे से इतने करीब से जुड़े हों जैसे विराट कोहली और रोहित शर्मा। रोहित ने शीर्ष स्तर के क्रिकेट में शुरुआत 2007 में बेलफास्ट में की जबकि कोहली ने इससे एक साल बाद दांबुला में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। एक साथ चले इस सफर का एक और दिलचस्प अध्याय संभवतः अगले महीने कैरेबियाई द्वीपों में समाप्त हो जाएगा। अगला टी20 विश्व कप 2026 में है जिसकी मेजबानी भारत और

श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे लेकिन तब रोहित 40 बरस के होने वाले होंगे और कोहली 38 वर्ष के होंगे। एकदिवसीय (50 ओवर) प्रारूप का विश्व कप इसके एक और साल बाद होगा।

खेल की स्ट्राइक रेट से जुड़ी प्रकृति में लगातार इजाफा हो रहा है और इसे देखते हुए इन दोनों को इनमें से किसी में भी खेलते हुए देखना मुश्किल है। इसलिए रोहित और कोहली दोनों अगले महीने विजेता का पदक अपने गले में लटकाए मंच से विदा लेना चाहेंगे। अगर वे ऐसा कर पाते हैं तो यह 2007 टी20 विश्व कप (रोहित) और 2011 में 50 ओवर के विश्व कप (कोहली) के बाद उनका दूसरा विश्व खिताब होगा। और यह उन दो खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन विदाई होगी जिन्होंने पिछले 17 वर्षों में भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में काफी प्रभाव डाला। हालांकि कोहली-रोहित की कहानी आपसी सम्मान और इस जागरूकता पर आधारित है कि उन्हें एक-दूसरे के काम मे दखल नहीं देनी। कोहली ने अपने करियर की शुरुआत से ही रोहित के लिए उनके मन में जो प्रशंसा है, उसके बारे में बात की है।

अपने खेल और टीम का ऋणी रहूंगा : छेत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने की दहलीज पर खड़े भारत के करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री ने बुधवार को कहा कि वह अपने साथी खिलाड़ियों और खेल के हमेशा ऋणी रहेंगे जिन्होंने हमेशा उनकी मदद करके इस मुकाम तक पहुंचाया ।

भारतीय टीम छह जून को कुवैत के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर खेलने यहां पहुंच गई है । छेत्री का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा । छेत्री ने यहां पहुंचने पर कहा ,'' ये आखिरी कुछ दिन है जो मेरे लिये दुविधा से भरे हैं । अब राष्ट्रीय टीम में मेरे कुछ ही दिन रह गए हैं । समझ नहीं आता कि हर दिन , हर अभ्यास सत्र की गिनती करूं या बिना इस बारे में सोचे खेलूं ।'' भारत के लिये 150 मैचों में 94 गोल करने वाले छेत्री ने कहा ,''

मैने अपने सत्र गिनने का फैसला किया है लेकिन कृतज्ञता के भाव से । कोई चिंता नहीं है बल्कि मैं अपनी टीम और इस खेल के प्रति सदैव ऋणी रहूंगा ।'' वैसे तो फुटबॉल के दीवाने कोलकाता में भारतीय टीम के हर मुकाबले को लेकर रोमांच रहता है लेकिन यह मुकाबला अहम है । अगर भारत जीतता है तो पहली बार फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंच जायेगा । इसके साथ ही एएफसी एशियाई कप सउदी अरब 2027 के लिये स्वत: क्वालीफाई करने की दिशा में अगला कदम बढायेगा ।

सुविचार

जिंदगी बहुत खूबसूरत है, जिंदगी से प्यार करो, अगर हो रात तो, सुबह का इंतजार करो, वो पल भी आएगा जिसका तुझे इंतजार है, बस उस खुदा पर भरोसा और वक़्त पर ऐतबार करो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धरती की परवाह किसे?

देश के कई इलाकों में भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं। हर दिन यह पढ़ने-सुनने को मिल रहा है कि पारा चढ़ता ही जा रहा है, तापमान ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। हर कोई कह रहा है कि ऐसी गर्मी पहले कभी महसूस नहीं की। रोजाना ही कहीं-न-कहीं आग लग रही है, जिससे बड़ा नुकसान हो रहा है। एसी-कूलर और शीतल पेय की मांग बढ़ गई है। इनकी दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है। अगर एक-डेढ़ दशक पहले इससे आधी भीड़ नर्सरी में उमड़ती तो हालात ऐसे नहीं होते। वैज्ञानिक कई वर्षों से कह रहे हैं कि धरती का तापमान बढ़ रहा है। अधिक गर्म दुनिया हमारे लिए अधिक समस्याएं पैदा करेगी, लेकिन कितने लोग इन बातों को गंभीरता से लेते हैं और उनमें से कितने इन पर अमल करते हैं? प्राय: यह माना जाता है कि पर्यावरण की सुरक्षा जैसे काम सिर्फ सरकार के होते हैं, लेकिन आश्चर्य की बात है कि चुनावों में न तो राजनीतिक दल इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हैं और न ही मतदाता अब तक हासिल की गईं उपलब्धियों के बारे में उनसे पूछते हैं! ऐसे में पर्यावरण का मुद्दा तापमान के नए रिकॉर्ड तक ही सीमित रह जाता है। 'विकास' के मुद्दे की चर्चा हो रही है, होनी चाहिए, लेकिन 'विकास' कैसा हो, इसकी चर्चा कम हो रही है। गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें, रात को भी दिन का आभास कराती कृत्रिम रोशनी, महंगी गाड़ियां ... ये विकास के सिर्फ एक पहलू को दिखाती हैं। दूसरा पहलू कहीं गायब-सा हो गया है। 'विकास' की इस भाग-दौड़ में हमने कितने छायादार या फलदार पौधे लगाए? गांवों-शहरों में सड़कों का जाल बिछाने के साथ ही वर्षाजल के रिसाव के लिए कितनी जगह छोड़ी गई? जिस तरह देश की आबादी बढ़ रही है, उसके लिए स्वच्छ हवा, निर्मल जल की उपलब्धता के कितने प्रबंध किए गए?

'सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट' (सीएसई) की नई रिपोर्ट में यह बात स्वीकारी गई है कि कंक्रीटीकरण और आर्द्रता का स्तर बढ़ने से भारत के महानगरों में गर्मी बढ़ रही है। एक दशक पहले की तरह रात का मौसम ठंडा नहीं हो रहा है। होगा भी कैसे, इस अवधि में पर्यावरण को नुकसान जो पहुंचाया गया है। दो दशक पहले गर्मियों के मौसम में कस्बों और गांवों में लोग रात को छतों पर सुकून से सोते थे। आसमान में तारे साफ नजर आते थे। अब हालात बदल गए हैं। रातें काफी गर्म हो गई हैं। विशेषज्ञों का यह कहना सत्य है कि गर्म रातें दोपहर के चरम तापमान जितनी ही खतरनाक होती हैं। अगर रातभर तापमान अधिक रहता है तो लोगों को दिन की गर्मी से उबरने का मौका कम मिलता है। अत्यधिक गर्म मौसम लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। वाटरलू विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पर्यावरण और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंधों को लेकर जो निष्कर्ष प्रस्तुत किया, उस पर सबको ध्यान देना चाहिए- 'गर्मी का तनाव, गर्मी की थकावट और हीट स्ट्रोक की आशंका अत्यधिक गर्मी के खतरे हैं। फिर भी अत्यधिक गर्मी में शारीरिक स्वास्थ्य ही एकमात्र कारक नहीं है, मानसिक स्वास्थ्य भी ख़राब हो सकता है। बहुत से लोग गर्मी के महीनों के दौरान रात को नींद नहीं आने के साथ-साथ ज्यादा गर्मी लगने से असहज और असुविधा महसूस कर सकते हैं।' वहीं, यह भी पाया गया कि 'गर्मी की लहरों के दौरान मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के साथ अस्पताल पहुंचने वाले लोगों की संख्या बढ़ जाती है। अब अत्यधिक गर्मी को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियों को बढ़ाने के लिए कदम उठाने का समय आ गया है।' ये कदम क्या होने चाहिएं? इनके जवाब ढूंढ़ना मुश्किल काम नहीं है। चिलचिलाती धूप में अन्य जगह तापमान काफी ज्यादा होता है, वहीं उस जगह तापमान तीन डिग्री से. तक कम देखने को मिलता है, जहां पेड़ों की घनी छांव हो। हमें धरती को बचाने के प्रयास बहुत गंभीरता से करने होंगे। ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी होगी। प्रदूषण को नियंत्रित करना होगा। अन्यथा आगामी दशकों में धरती पर जीवन कई गंभीर खतरों से घिर सकता है।

ट्वीटर टॉक

दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बस की भीषण सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें साथ ही दुर्घटना में घायल नागरिकों को अतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री चौधरी चरण सिंह जी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। चौधरी चरण सिंह जी का संपूर्ण जीवन देश के किसानों, दलितों और पीड़ितों की सेवा को समर्पित रहा जो सदैव प्रेरणास्पद रहेगा।

-गोविंदसिंह डोटासरा

आज उत्तर प्रदेश के महाराजगंज, देवरिया, बलिया, रॉबर्ट्सगंज और गाजीपुर लोकसभा के बहनों-भाइयों के बीच रहूँगा। उत्तर प्रदेश की जनता सपा-कांग्रेस के गुंडाराज, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति को हमेशा के लिए खत्म कर 'फिर एक बार मोदी सरकार' बनाने जा रही है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

आत्मा रूपी सत्ता

आदि जगद्गुरु शंकराचार्य से शास्त्रार्थ में पराजित एक धर्मगुरु के शिष्यों ने खीझकर कापालिक को शंकराचार्य की हत्या के लिए भेजा। जैसे ही कापालिक ने शंकराचार्य के सामने पहुंचकर तलवार निकाली कि उन्होंने कहा, 'कापालिक, तुम्हारे शरीर और मेरे शरीर में आत्मा रूपी एक ही सत्ता है। तुम किसकी हत्या करना चाहते हो?' कापालिक स्वयं धर्मशास्त्रों का पंडित था। शंकराचार्य के शब्दों ने उसकी आत्मा को झकझोर दिया। उसने तलवार जमीन पर फेंक दी तथा शंकराचार्य के चरणों में गिर कर बोला, 'महात्मन, वास्तव में मैं एक सत्ता का अस्तित्व भूलकर किसी के बरगलाने पर यह अक्षम्य अपराध करने को उद्यत हो गया था। आपके शब्दों ने मुझे 'अपने' से परिचित कराया है।' कापालिक शंकराचार्य का शिष्य बन गया और जीवन-पर्यंत उनके विचारों के प्रचार के लिए समर्पित हो गया।

सामयिक

'विकसित भारत' के लिए बड़े फैसले जरूरी

डॉ. शिव कुमार व्यास
मोबाइल : 9460615915

भारतीय लोकतंत्र के पावन पर्व का महोत्सव, लोकसभा के गठन हेतु आम चुनाव अपने अन्तिम चरण में है। अब ज्यादा दिन नहीं है जब विकसित भारत की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए मतदाताओं के द्वारा चुने गए दल की सरकार आगामी पाँच वर्षों के लिए अथक सकारात्मक परिणामोन्मुखी व्यवस्था के निर्माण के संकल्प के साथ सेवा कार्य में सन्नद्ध हो जाएगी। इस लोकतंत्र के महोत्सव का विशिष्ट पहलू प्रधानमंत्री जी के आत्म विश्वास के साथ विकसित भारत के विजन को साकार करना भी है। इस के लिए लिए उन्होंनें आगामी पाँच वर्षों के पहले सौ दिनों में कई बड़े फैसलों की घोषणा भी है।

यह ध्रुव सत्य है कि भारतीय जन मानस की जीवन रेखा में सुधार की महती आवश्यकता है। नेतृत्व को एक नवीन दृष्टिकोण से आधुनिक समय से कदम ताल कर गुड गवर्नेंस के मॉडल को विकसित करना होगा। भारत को विकसित बनाने के लिए माइक्रो एवं मैक्रो इकोनोमिक्स के साथ टिकाऊ अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है जिससे सामान्य मानवी को रोजमर्रा की आवश्यताओं की पूर्ति में कोई समस्या न हो और ढांचागत विकास भी उत्तरोत्तर होता रहे। भारत में डिजीटल शिक्षा के द्वारा सशक्तीकरण हो, इसके लिए नागरिक संस्थानों में नवाचारों के साथ जबाबदेही तय करने की आवश्यकता है।

बड़े कार्यों में नई सरकार के समक्ष वैश्वीकरण के इस दौर में पर्यावरणीय चिन्ताओं से भी निपटना की बड़ी चुनौती होगी। इसके लिए भारत को टिकाऊ हरित अर्थव्यवस्था में कार्बन उत्सर्जन में कमी के लिए गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। तेजी से बढ़ते तापमान को कम करने के लिए जंगलजात भूमियों के विस्तार पर भी ध्यान देना होगा। अन्यथा विकास की अंधाधुंध होड़ के अभिशाप बनने में देर नहीं लगेगी। वैसे तो भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सभी सरकारों ने देश हित में बहुत से कार्य किये, परन्तु तत्समय से ही एक विषय अछूता ही रहा है जिससे देश के विकास का लाभ सामान्य मानवी को निश्चय ही मिल सकता था ; वह है अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) का तर्क संगत निर्धारण।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि ग्राहकों की समस्याओं के निराकरण के साथ क्रेता एवं विक्रेता के मध्य वाणिज्यिक सम्बन्धों की मधुरता रखने में केवल सरकार सक्षम होती है और ईएसी-पीएम की 2023 में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय जन मानस तो इस विचार का अनुसरण सिंधु सभ्यता के काल से ही कर रहा है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में तो एक अध्याय के माध्यम से ग्राहक समस्याओं का हल शासन का उत्तरदायित्व माना है। भारत के संविधान की अनुसूची 7 की धारा 50 में इस विषय को रखा गया और 42 वें संविधान संशोधन में धारा 33ए के द्वारा इसे समवर्ती सूची में शामिल कर लिया गया। इन्हीं संवैधानिक प्रावधानों के तहत 1976 एवं 1985 में बने कानूनों के स्थान पर भारतीय संघ ने कानूनी माप अधिनियम - 2009 से विकासशील भारत की उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने एवं व्यापारिक सहजताओं के साथ व्यापार लागत को कम करने के प्रयासों को मूर्त रूप प्रदान करते हुए संघ के साथ साथ राज्यों का प्रशासन भी ग्राहकों की समस्याओं के निराकरण के लिए उत्तरदायी है। मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में 2009 के अधिनियम में बदलाव करते हुए जन विश्वास बिल-2022 को 2023 के मानसून सत्र में पारित करवाया। यह अधिनियम अभी राष्टपति की टेबल पर है।

भारत सरकार ने संवैधानिक प्रावधानों का उपयोग कर 1990 में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) अंकन का प्रारम्भ और खुदरा बिक्री के लिए रखे जाने वाले डिब्बा बंद उत्पादों की पैकिंग पर एम.आर.पी. की छपाई अनिवार्य कर दी गई। खुदरा विक्रेता को उत्पाद पर एम.आर.पी. अंकन एवं उससे कम पर कीमत पर उत्पादों का विक्रय करने की स्वतंत्रता प्रदान की। परन्तु एम.आर.पी. से अधिक कीमत पर उत्पाद बेचना अपराध घोषित किया गया। यह विडंबना ही है कि एम.आर.पी. का निर्धारण कैसे होगा, इस सम्बन्ध में कानूनन कोई प्रभावी दिशा निर्देश नहीं होने से उपभोक्ताओं को संभावित नुकसान की आशंका बनी रहती है। कानून की इसी शिथिलता का लाभ उठा कर निर्माता वर्ग डिब्बा बंद उत्पादों का एमआरपी मनमाने ढंग से तय करते हैं और एमआरपी निर्धारण में पारदर्शीता का अभाव अर्थ व्यवस्था के केन्द्र 'ग्राहक या उपभोक्ता' को सामान्य जीवन में उपभोक्तावादी संस्कृति में उत्पाद की कीमतों की गुणवत्ता से असंबद्धता के कारण आर्थिक हानि उठाने पर विवश करता है।

ग्राहकों के प्रतिनिधि संगठन निरंतर मांग भी करते रहे हैं कि अधिकतम खुदरा मूल्य का निर्धारण निष्पक्ष, पारदर्शी और आसान तरीके से समझ में आने वाली प्रक्रिया से होना चाहिए। इस संबंध में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत राष्ट्र व्यापी आन्दोलन के द्वारा निरन्तरता से मांग भी करता आ रहा है। यद्यपि किसी भी उत्पाद की एम.आर.पी. को तय करने में सरकार की सीधी भूमिका नहीं होती इसी कारण से कई बार उपभोक्ताओं के लिए अनुचित एम.आर.पी. राशि का निर्धारण कर दिया जाता है। उदाहरणार्थ दवा उद्योग में दवाइयों की निर्माण लागत एवं विपणन मूल्य की असमानता उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक रूप से कष्टकारी रहती है। स्वास्थ्य कारणों से मरीज-उपभोक्ताओं के पास दवाओं के चयन का विकल्प भी नहीं होता और न ही निर्माताओं द्वारा नियत एम.आर.पी. के कारण संभावित आर्थिक नुकसान से बचने में अपनी जागरूकता का लाभ ही उठा सकता है।

अतः नवीन सरकार का उत्तरदायित्व है कि देश के लगभग 140 करोड़ उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए उत्पाद का लागत मूल्य (सी.ओ.पी.) एवं उत्पाद का प्रथम बिक्री मूल्य (एफ.एस.पी) के साथ ही एम.आर.पी आदि के स्पष्ट विन्यास हेतु प्रभावी कदम उठाये।

यद्यपि एम.आर.पी की प्रक्रिया संरचना को प्रभावी तरीके से नियमानुसार लागू करने में नीति गत समय लग सकता है तब तक सरकार डिब्बा बंद उत्पादों पर एम.आर.पी. के साथ उत्पान लागत, जी. एस. टी. एवं उत्पादक के लाभ को मिला कर एफ.एस.पी. (ऋ्रीीं ाशिश्रश्रळपस झीळलश) छापने का आदेश प्रसारित कर ग्राहकों का मार्गदर्शन कर सकती है। जिससे उपभोक्ता खरीदारी के समय प्रथम विक्रय मूल्य एवं अधिकतम खुदरा मूल्य के तर्कसंगत अन्तर से अवगत हो सके। एफ.एस.पी. को लागू करने से निर्माताओं और आयातकों पर लागत का अतिरिक्त मूल्य प्रभार भी नहीं आने वाला है। इससे उपभोक्ता अपनी पसंद एवं विकल्प के अधिकार की भी संरक्षा करते हुए लाभान्वित होगा।

अतः मानना चाहिए की भारत की सरकार देश के 140 करोड़ ग्राहकों के लिए एम. आर. पी. निर्धारण के बड़े विषय को अपने सौ दिवसीय या पंचवर्षीय एजेंड़ा में सम्मिलित कर प्रभावी कदम उठायेगी।

विशेष

हिन्दी पत्रकारिता के 198 वर्ष

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9034304041.

भारत-चीन लड़ाई का उल्लेख करें अथवा भारत-पाक युद्ध का या फिर कोरोना से जंग के कठिन दौर का, प्रेस ने प्रत्येक ऐसे विकट अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत नहीं होगा कि इसमें हिन्दी पत्रकारिता का स्थान सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ उनका विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 198 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था समाचार 'सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की बात हो या, व्यवसायीकरण के आरोपों या घर बैठे दुनिया की सैर कराने की, तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है, वहीं पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि हिन्दी पत्रकारिता ने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है।

नजरिया

पाकिस्तान में किनके निशाने पर हैं पंजाबी ?

आर. के. सिन्हा

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ चल रहे सघन आँदोलन के बीच वहां पंजाबियों को तटीय शहर ग्वादर में लगातार मारे जाने की घटनाएं भी हो रही है। बलूचिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों ने बीते कुछ समय के दौरान सात पंजाबी मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। ये सब हेयर-सैलून के कर्मचारी थे। पाकिस्तान के अशांति से जल रहे बलूचिस्तान प्रांत में एक महीने के भीतर पंजाब के मजदूरों के खिलाफ यह तीसरा हमला है। पिछले अप्रैल में, प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से ईरान जा रहे नौ पंजाब निवासियों की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। दरअसल बलूचिस्तान में लंबे समय से पाकिस्तानी सरकार और पंजाब प्रांत पर बलूचिस्तान के प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के लूटने के आरोप लग रहे हैं। बलूचियों का कहना है कि इसी शोषण के कारण बलूचिस्तान बर्बाद हो गया है। प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न होने के बावजूद, बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे कम आबादी वाला और सबसे गरीब प्रांत बना हुआ है। बीते कई सालों क दौरान, बलूचिस्तान सूबे में अज्ञात बंदूकधारी राजमार्ग पर चलने वाली बसों से पंजाबी मूल के यात्रियों को जबर्दस्ती उतार कर मार रहे हैं। सैनिकों जैसी वर्दी पहने बंदूकधारी कराची और ग्वादर के बीच चलने वाली बसों को रोक कर यात्रियों के पहचान पत्रों की जांच करने के बाद अपना खूनी खेल शुरू कर देते हैं। इनके निशाने पर सिर्फ़ पंजाबी मुसाफिर ही होते हैं। पाकिस्तान सरकार हत्यारों को पकड़ने के रस्मी दावे-वादे करती है, पर हुआ तो कुछ भी नहीं है, अबतक!

पाकिस्तान सरकार पंजाबियों के कत्लेआम को दुनिया की निगाह से छुपाना चाहती है, पर सोशल मीडिया के दौर में यह संभव हो नहीं पाता। खबरें जैसे- तैसे दुनिया के सामने आ ही जाती हैं। पंजाबियों को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी चुन-चुनकर मार रही है। पंजाबी नौजवानों को अगवा भी किया जा रहा है। फिर उनका पता ही नहीं चल पाता। इस तरह के भी सैकड़ों केस हो चुके हैं। इस स्थिति में भारत को भी बलूचिस्तान की जनता के मानवाधिकारों की बहाली का खुलकर समर्थन करना चाहिए। यदि भारत तिब्बत के लोगों के हक में खड़ा हो सकता है, तब उसे बलूचिस्तान की जनता का भी साथ देना चाहिए। बलूचिस्तान तो भारत का ही भाग था , वहाँ की जनता भी भारत में ही रहना चाहती थी , पर प्रधानमंत्री नेहरू ने उदारतापूर्व बलूचिस्तान को पाकिस्तान को सौप दिया था।

आख़िर , किस वजह से पंजाबियों को बलूचिस्तान में निशाना बनाया जा रहा है? पंजाबियों को मारे जाने की कोई वजह तो होगी ही। यह सच है कि पाकिस्तान की एक बड़ी आबादी नफरत करती है पंजाब, पंजाबियों और पंजाबियों से भरी हुई पाकिस्तानी सेना से। सबको लगता है कि पंजाब उनका शोषण कर रहा है, उनके हकों को मार रहा है। ईस्ट पाकिस्तान, जिसे अब दुनिया बांग्लादेश के रूप में जानती है, वह भी पंजाब के वर्चस्व से निकलने के लिए ही पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह करने लगा था। ईस्ट पाकिस्तान पर पाकिस्तान सेना ने तबीयत के साथ जी भरकर नाइंसाफी की थी। उस पर उर्दू थोपी गई, ढ़ाका की बजाय कराची को देश की राजधानी बनाया गया। जबकि , ढाका हर लिहाज से कराची से बड़ा शहर था। कराची से इस्लामाबाद में राजधानी बाद में शिफ्ट हुई थी। इस तरह से और भी बहुत से कारण थे जिनके चलते ईस्ट पाकिस्तान ने विद्रोह किया था।

पाकिस्तान की सेना पर पंजाबियों का वर्चस्व साफ है। यह घोर भारत विरोधी भी है। इसके अलावा, पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब में इस्लामिक कट्टरपन भी सबसे ज्यादा है। वहां पर हर इंसान अपने को दूसरे से बड़ा कट्टर मुसलमान साबित करने की होड़ में ही लगा रहता है। इस बीच, बलूचिस्तान की जनता यह मानती रही है कि पाकिस्तान की पंजाबियों से भरी सेना ने ही उनके महबूब नेता अकबर बुगती का कत्ल किया था। पाकिस्तान की सेना में पंजाबियों का वर्चस्व साफ है। यह याद रखना होगा कि पाकिस्तान के विचार को पंजाब ही आगे बढ़ाता है। पाकिस्तान सेना में 80 फीसद तक पंजाबी है, हालांकि देश में उनकी आबादी 65 फीसद के करीब होगी। इससे समझा जा सकता है कि पाकिस्तान सेना की जान पंजाब है। पाकिस्तान सेना ने खून-खराबा करने में अपनों को भी नहीं बख्शा है। हो सकता है कि इस पीढ़ी को पाकिस्तानी सेना के ईस्ट पाकिस्तान में किए कत्लेआम की पर्याप्त जानकारी न हो।

बलूचिस्तान में पंजाबी विरोधी आंदोलन से अब तो पाकिस्तान सरकार की नींद उड़ी हुई है। उसका इस आंदोलन के कारण परेशान होना समझ आता है। दरअसल इसी सूबे में चीन की मदद से 790 किलोमीटर लंबा ग्वादर पोर्ट बन रहा है। पाकिस्तान सरकार को लगता है कि ग्वादर पोर्ट के बनने से देश की तकदीर बदल जाएगी। पर बलूचिस्तान के अवाम को यह सब झूठ ही लगता है। उनका मानना है कि ग्वादर पोर्ट बनने से सिर्फ पंजाब के हितों को ही लाभ होगा। उन्हें तो बस छला जा रहा है। बलूचिस्तान के अवाम को लगता है कि उनके संसाधनों से पंजाब और पंजाबियों का ही पेट भरता है। पाकिस्तानी सेना स्वात घाटी और बलूचिस्तान में विद्रोह को दबाने के लिए टैंक और लड़ाकू विमानों तक का इस्तेमाल करती है। समूचा बलूचिस्तान अंधकार युग में रह रहा है। इधर कायदे की शिक्षा व्यवस्था तक नहीं है। क्या पाकिस्तान सरकार बलूचिस्तान में विद्रोह को दबा सकती है? अब तो उन्हें बलूचिस्तान की जनता को उनके हक देने ही होंगे। अगर वह इस मोर्चे पर सफल नहीं होती तो बलूचिस्तान में विद्रोह और भड़क जाएगा। तब बलूचिस्तान का पाकिस्तान का अंग बने रहना कठिन होगा।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विपक्ष जाति और धर्म के आधार पर देश को बांटने का प्रयास कर रहा है : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऊना (हिप्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को आरोप लगाया कि विपक्ष का एक वर्ग आंतरिक और बाहरी शक्तियों की मदद से जाति और धर्म के आधार पर देश को बांटने का प्रयास कर रहा है।

गडकरी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेताओं के कामकाज के बारे में लोगों को ''गुमराह'' करने का प्रयास करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस को ''झूठे और भ्रष्ट लोगों की पार्टी'' बताया और दावा किया कि भाजपा नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है।

एक जून को लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण को ''अहम'' बताते हुए गडकरी ने कहा, ''यह सभी की ड्यूटी है कि वे केवल उन लोगों को चुनें, जिन्होंने उनकी भलाई के लिए काम किया और देश की नीतियां व कार्यक्रमों को नई दिशा दी।'' वह हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर और कुटलेहड़ विधानसभा उपचुनाव के प्रत्याशी देवेंद्र भुट्टो के समर्थन में प्रचार कर रहे थे।

गडकरी ने हिमाचल प्रदेश में ऊना के कुटलेहड़ में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केवल भाजपा ही समाज में आमूलचूल परिवर्तन ला सकती है और जनता की भलाई के लिए काम कर सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में अगर किसी ने गांवों को सड़कों से जोड़ने के लिए काम किया तो वह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के दिग्गज नेता रहे वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की शुरुआत की थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मैं सपने बेचने वाला मंत्री नहीं हूं, मैं वास्तव में काम करता हूं और कोई भी पत्रकार मेरे काम पर सवाल नहीं उठा सकता।'' चुनाव खत्म होने के बाद लठियाणी-मंदली (गोविंद सागर झील) पर 920 करोड़ रुपये की लागत से पुल बनाने पर काम शुरू किया जाएगा। यह पुल ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर के लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

गडकरी ने कहा कि सड़क निर्माण में हिमाचल प्रदेश को शीर्ष प्राथकिमता मिलती रही है और खासतौर से सुरंगों के लिए दुर्गम स्थानों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। उन्होंने कहा कि लेह तक आठ सुरंग बनायी जा रही है और राज्य में 16 हजार करोड़ रुपये की लागत से 28 'रोपवे' बनाए जा रहे हैं।

बुशरा बीबी के पूर्व पति पर इमरान खान के वकील ने किया हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। इमरान खान की तीसरी पत्नी बुशरा बीबी के पूर्व पति पर इस्लामाबाद की एक अदालत के बाहर पूर्व प्रधानमंत्री खान के एक वकील ने हमला किया। यह हमला तब हुआ जब वह गैर-इस्लामिक विवाह मामले में दंपति की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई के लिए उपस्थित हुए थे।

खान (71) और बीबी (49) को तीन फरवरी को एक निचली अदालत ने 'इद्दत' के दौरान शादी करने के लिए सात-सात साल जेल की सजा सुनाई थी। इस्लाम में 'इद्दत' किसी महिला के लिए अपने पति की मृत्यु या तलाक के बाद दूसरी शादी से पहले प्रतीक्षा करने का अनिवार्य समय है।

बुशरा के पूर्व पति खावर मेनका ने नवंबर 2023 में दंपति के खिलाफ मामला दर्ज कराया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने बुशरा द्वारा 'इद्दत' की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि का पालन किए बिना शादी कर ली थी।

उन्होंने अदालत से विवाह को अमान्य घोषित करने का अनुरोध किया था। अदालत ने 23 मई को अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे बुधवार को सुनाया जाना था। मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ बुशरा और उनके पति (इमरान खान) द्वारा दायर अपील की सुनवाई के दौरान इस्लामाबाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश शाहरुख अर्जुमंद फैसला सुनाए बिना अपने कक्ष में चले गए।

इस घटनाक्रम के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वकीलों ने अदालत कक्ष में बोतलें फेंकी, जिसके बाद खावर के वकीलों ने उन्हें बाहर निकाल लिया। हालांकि, बाहर निकाले जाने के दौरान पीटीआई के एक वकील ने अदालत परिसर में खावर पर हमला कर दिया जिससे वह जमीन पर गिर गए।

उड़ान

गत 14 वर्षों से आतिथ्य शिक्षा में अग्रणी चेन्नईज अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा अब तक 25,000 से अधिक प्लेसमेंट उपलब्ध कराएं हैं। इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष आर. बूमीनाथन ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एविएशन मलेशिया (यूनिकैम) और बर्मिंघम अकादमी सिंगापुर के साथ 'फोर्जिंग ग्लोबल टाईज' नामक समूह के दो हालिया अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों का विवरण गर्व से साझा किया। इस मौके पर इंस्टीट्यूशंस के के अध्यक्ष आर. बूमीनाथन. सीईओ कविता नंदकुमार, सीएडी लियो प्रसथ, डीन डॉ. टी. मिल्टन, विश्वविद्यालय मामलों की प्रमुख भानुभति, बेंगलूरु परिसर के उपप्राचार्य दीपेश राज, कंट्रीयार्ड वाइ मैरियट के सहायक एचआर प्रबंधक सुरेश मोहन भी उपस्थित थे।

फिल्म 'सौतन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वर्ल्ड वाइड फिल्म प्रोडक्शंस प्रेजेंट सुपर स्टार विक्रांत सिंह राजपूत, रितु सिंह, संचिता बनर्जी और देव सिंह की फिल्म सौतन का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला पर रिलीज कर दिया गया। फिल्म सौतन के निर्माता प्रदीप सिंह, विनय सिंह, मोनिका सिंह और प्रतीक सिंह हैं, जबकि निर्देशक अजय कुमार झा हैं।फिल्म सौतन को लेकर निर्माता प्रदीप सिंह ने कहा कि यह फिल्म प्रेम, संघर्ष और समर्पण की एक अनूठी कहानी है, जिसे हमने बड़े ही जुनून और मेहनत से तैयार किया है।सौतन सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि यह दिलों को छू लेने वाली एक यात्रा है, जिसमें आपको नए अनुभव और अनोखे भावनाओं का एहसास होगा। हमारी पूरी टीम ने इस फिल्म को के निर्माण में अपना सर्वस्व दिया है, और हमें यकीन है कि यह फिल्म दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाएगी।उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि दर्शक सौतन को उसी तरह अपनाएंगे, जैसे उन्होंने हमारी पिछली फिल्मों को सराहा है।

विक्रांत सिंह राजपूत ने कहा कि मैं अपनी नई फिल्म सौतन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हूं। इस फिल्म की कहानी प्रेम, संघर्ष और समर्पण की अनूठी यात्रा है, जिसे दर्शकों के दिलों को छू लेने के उद्देश्य से बनाया गया है।सौतन की शूटिंग के दौरान मुझे नए अनुभव और सीखने का मौका मिला, और हमारी पूरी टीम ने इसे वास्तविकता में बदलने के लिए कड़ी मेहनत की है। मुझे विश्वास है कि यह फिल्म आपको गहराई से छुएगी और आप इसे उतना ही पसंद करेंगे जितना हमने इसे बनाने में आनंद लिया। कृपया हमें अपना आशीर्वाद और समर्थन देते रहें, और सौतन को जरूर देखें।

फ़िल्म सौतन में विक्रांत सिंह राजपूत, रितु सिंह, संचिता बनर्जी, देव सिंह, श्वेता वर्मा, ललित उपाध्याय, कंचन मिश्रा, जे नीलम, रंभा साहनी, चाहत राज मुख्य भूमिका में हैं। लेखक अरबिन्द तिवारी, संगीतकार मुन्ना दुबे, गीतकार प्यारेलाल यादव, मुन्ना दुबे और शेखर मधुर हैं। फिल्म के कार्यकारी निर्माता अनवर विरानी और कमल यादव हैं। छायांकन मनोज सिंह, संकलन गुर्जंट सिंह, नृत्य प्रसून यादव और महेश बलराज का है। कला रणधीर दास और एक्शन प्रदीप खड़का ने किया है। वेशभूषा विद्या-विष्णु की है।

अय्यर की टिप्पणी कांग्रेस की 'भारत विरोधी' मानसिकता को दर्शाती है : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को दावा किया कि मणिशंकर अय्यर द्वारा 1962 में भारत पर हुए चीनी हमले को 'कथित' आक्रमण बताया जाना कांग्रेस की ''भारत विरोधी'' मानसिकता को दर्शाता है और यह ''दुश्मन'' देशों को यहां की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का संकेत है क्योंकि विपक्ष इस लोकसभा चुनाव में बुरी तरह 'हार' का सामना करने जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि अय्यर राहुल गांधी की सहमति के बिना इस तरह का बयान नहीं दे सकते। उन्होंने इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ''चुप्पी'' को लेकर उन पर भी निशाना साधा। अय्यर ने मंगलवार को एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में यह टिप्पणी की थी। 'फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब' में एक कार्यक्रम में अय्यर ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा था, ''...अक्टूबर 1962 में, चीनियों ने कथित तौर पर भारत पर आक्रमण किया।''

हालांकि, विवाद होने के बाद अय्यर ने अपनी इस टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी तथा कांग्रेस ने उनके इस बयान से दूरी बना ली।

भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अकसर अपने नेताओं की इस तरह की विवादास्पद टिप्पणियों से खुद को दूर करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर उस समय हस्ताक्षर किए थे जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सत्ता में था। भाटिया ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने अभी तक इसके विवरण का खुलासा नहीं किया है। भाटिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत को धोखा दे सकते हैं लेकिन चीन के खिलाफ नहीं जा सकते। उन्होंने राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास द्वारा दिए गए दान को ''रिश्वत'' बताया।

आलिया, प्रियंका, करीना सहित कई हस्तियों ने फलस्तीन के साथ दिखाई एकजुटता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस, आलिया भट्ट और करीना कपूर खान सहित कई भारतीय हस्तियों ने रफह में एक शिविर पर इज़राइल के हवाई हमले के बाद फलस्तीन के प्रति समर्थन जाहिर किया है।

इज़राइल के गाजा के रफह शहर में शिविर में किए हमले में कम से कम 45 लोगों की मौत हुई है। यह वह इलाका है जहां कुछ दिन पहले विस्थापित फलस्तीनियों के शिविर में आग लग गई थी।

इज़राइल की इस हमले की लिए कड़ी निंदा की जा रही है हालांकि इज़राइली सेना का दावा है कि रविवार को विस्थापितों के शिविर में आग फलस्तीनी आतंकवादियों के हथियारों से हुए विस्फोटों के कारण लगी होगी।

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक तस्वीर साझा की जिसमें लिखा था, सभी बच्चे प्यार के हकदार हैं। सभी बच्चे सुरक्षा के हकदार हैं। सभी बच्चे शांति के हकदार हैं। सभी बच्चे जीवन के हकदार हैं और सभी माताएं अपने बच्चों को ये चीज़ें देने में सक्षम होने की हकदार हैं।

करीना ने सोशल मीडिया मंच पर संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की ओर से जारी की गई एक तस्वीर साझा की और कहा, रफह में बमबारी वाले शिविर से झुलसे बच्चों तथा परिवारों की तस्वीरें हम सभी को झकझोर देती हैं। अस्थायी शिविर में शरण लिए बच्चों की कथित हत्या अमानवीय है।

रानी मुखर्जी को 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए मिला मूवीफाइड बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी को फीमेल कैटेगिरी में मूवीफाइड बेस्ट एक्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। एक्ट्रेस को फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में उनके काम के लिए सम्मानित किया गया है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म में रानी ने एक मां की भूमिका निभाई है, जो अपने बच्चे की कस्टडी के लिए नॉर्वे की कानूनी व्यवस्था से लड़ती है। रानी ने मूवीफाइड और इसकी मालकिन निकीता सिंह के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा: 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए मुझे बेस्ट एक्टर फीमेल अवॉर्ड देने के लिए मूवीफाइड का धन्यवाद। मैं इस सम्मान के लिए बहुत आभारी हूं और अपनी डायरेक्टर आशिमा चिब्बर, प्रोड्यूसर निखिल आडवाणी, मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी, जी स्टूडियो और एम्मे एंटरटेनमेंट, तेलिन, बंगाल और बॉम्बे के मेरे को-स्टार, एस्टोनियाई क्रू और टेक्निशियन समेत सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहूंगी।'' एक्ट्रेस ने बताया कि 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' उनकी फिल्मोग्राफी में एक खास जगह रखती है और उन्हें इस पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, ''आखिर में, मैं सभी फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी, जिन्होंने फिल्म को सपोर्ट किया और खास तौर से, उन सभी का जिन्होंने समय निकाला और मुझे अपना वोट दिया। मैं यह अवॉर्ड आप सभी के साथ शेयर करती हूं। एक बार फिर से धन्यवाद।''

'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' 17 मार्च, 2023 को रिलीज हुई थी। इसमें रानी मुखर्जी ने एक अप्रवासी मां का किरदार निभाया है, जो अपने बच्चों की कस्टडी वापस पाने के लिए सभी मुसीबतों से लड़ती हैं। इस फिल्म सागरिका भट्टाचार्य के साथ हुई सच्ची घटना पर आधारित है। मूवीफाइड से रानी मुखर्जी को मिला पुरस्कार उनकी प्रतिभा और 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' की प्रभावशाली कहानी कहने का प्रमाण है। जैसे-जैसे रानी फिल्म उद्योग में आगे बढ़ रही हैं, मूवीफाइड जैसे प्लेटफॉर्म एक्टर्स और फिल्म निर्माताओं की कला और समर्पण को पहचानने और उनका जश्न मनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 2012 में निकीता सिंह द्वारा अधिग्रहित, मूवीफाइड एक ऐसा प्लेटफार्म है जो अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और डिजिटल कंटेंट का कवरेज प्रदान करता है।

फिल्म 'महाराज' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 14 जून को होगी रिलीज!

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के पुत्र जुनैद खान की डेब्यू फिल्म 'महाराज' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 14 जून को रिलीज हो सकती है। आमिर खान के लाडले जुनैद खान फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह फिल्म 'महाराज' में दिखाई देने वाले हैं।जुनैद ने बीते साल ही वाईआरएफ की फिल्म 'महाराज' की शूटिंग पूरी कर ली थी।

कहा जा रहा है कि यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी पर दस्तक देने वाली है।जुनैद खान की डेब्यू फिल्म का ट्रेलर अगले महीने 5 जून को रिलीज हो सकता है।इस फिल्म में जुनैद खान के साथ जयदीप अहलावत, शरवरी वाघ और शालिनी पांडे भी मुख्य भूमिका में दिखाई देने वाली हैं।इस फिल्म में जुनैद पत्रकार की भूमिका निभाते हुए दिखाई दे सकते हैं। कहा जा रहा है कि जुनैद खान की फिल्म 'महाराज' सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 14 जून, 2024 को रिलीज हो सकती है। इस फिल्म का निर्देशन विपुल मेहता ने किया है।

फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता अल्लू अर्जुन और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। अल्लू अर्जन की फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। मेकर्स ने अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत इस फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में अल्लू और रश्मिका का रोमांटिक अंदाज नजर आ रहा है।।इस नए पोस्टर में पीछे का बैकग्राउंट काफी कलरफुल नजर आ रहा है। साथ ही इसमें अल्लू बिल्कुल शाहरुख खान की तरह बाहें फैलाए नजर आ रहे हैं। रश्मिका के चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर एक्स अकाउंट पर जारी किया है। मेकर्स ने एक्स अकाउंट पर लिखा, इंडिया की सबसे पसंदीदा जोड़ी जल्द ही 'कपल सॉन्ग' को लेकर आ रही है। 'पुष्पा 2 द रूल' 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी।

मिस्टर एंड मिसेज माही के गाना 'रोया जब तू' का वीडियो रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाल फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही से विशाल मिश्रा रचित और गाया गीत रोया जब तू का वीडियो रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का ट्रेलर और दो गीत प्रेम गीत 'देखा तेनु' और 'अगर हो तुम' रिलीज हो गये हैं। इस फिल्म का पूरा संगीत एल्बम का हाल में अनावरण किया गया। फिल्म के निर्माताओं ने अब इसके दिल दहला देने वाले गीत 'रोया जब तू' के आधिकारिक वीडियो का अनावरण किया है। विशाल मिश्रा द्वारा रचित और गाया गया, दिल को झकझोर देने वाला यह गीत अज़ीम दयानी के सहयोग से विशाल मिश्रा द्वारा लिखे गए हैं। 'रोया जब तू' राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के रिश्ते में आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ उनके क्रिकेटिंग करियर में संघर्ष को भी चित्रित करता है। वीडियो में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर की आंखों और एक्सप्रेशन के जरिए दिल टूटने का दर्द गहराई से बयां हुआ है।

गायक, संगीतकार और गीतकार विशाल मिश्रा ने कहा, 'रोया जब तू हमारे दिलों में खालीपन को दूर करने वाली एक आरामदायक उपस्थिति है। यह वह आत्मीय साथी है जो आपके साथ रहता है और आपके दुखों को ठीक करता है। 'रोया जब तू' अब सोनी म्यूजिक इंडिया के यूट्यूब पेज और सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर देखने के लिए उपलब्ध है। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित और ज़ी स्टूडियोज़ और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, 'मि. एंड मिसेज माही' 31 मई 2024 को रिलीज़ होने वाली है।

'महारागिनी' में प्रभुदेवा के साथ नजर आएगी काजोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलवीवुड की जानीमानी अभिनेत्री काजोल, प्रभुदेवा के साथ फिल्म महारागिनी में काम करती नअर आयेंगी। तेज उप्पलपति के निर्देशन में बनी महारागिनी,बवेजा स्टूडियो और ई7 एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। फिल्म निर्माता चरण तेज उप्पलपति की एक्शन थ्रिलर 'महारागिनी - क्वीन ऑफ क्वींस' में काजोल, प्रभुदेवा, नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता और आदित्य सील जैसे कलाकार शामिल होंगे।'महारागिनी - क्वीन ऑफ क्वींस' का पहला शेड्यूल हाल ही में पूरा हुआ और अब निर्माताओं ने फिल्म का आधिकारिक टीज़र जारी किया है। वीडियो प्रभुदेवा के चार्टर विमान से बाहर निकलने के साथ शुरू होता है।इसके बाद कार्रवाई संयुक्ता मेनन पर केंद्रित हो जाती है, जो भारी दांव-पेंच के बीच बदला लेने की अपनी इच्छा साझा करती है। कहानी में आगे मोड़ आता है जब नसीरुद्दीन शाह अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए अपनी हार्दिक अंतिम इच्छा साझा करते हैं और काजोल अपने 'महारागिनी' अवतार में उभरती हैं। इस फिल्म में फोटोग्राफी के निदेशक जीके विष्णु, संगीत निर्देशक हर्षवर्द्धन रामेश्वर और संपादक नवीन नूली शामिल हैं। पटकथा निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना ने लिखी है, जबकि प्रोडक्शन डिजाइनर साही सुरेश दृश्य सौंदर्यशास्त्र तैयार करेंगे।

निर्देशक चरण तेज उप्पलापति ने कहा, महारागिनी - क्वीन ऑफ क्वींस का निर्देशन शानदार रहा।काजोल, प्रभुदेवा, नसीर सर, संयुक्ता मेनन और जिशुसेन गुप्ता जैसे अभिनेताओं के साथ सहयोग ने इस प्रोजेक्ट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। उनका बेजोड़ करिश्मा और अभिनय क्षमताएं किरदारों में जान फूंक देती हैं और मैं दर्शकों को स्क्रीन पर इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकता हूं।

निर्माता हरमन बवेजा ने साझा किया, महारागिनी बावेजा स्टूडियोज के लिए एक विशेष प्रोजेक्ट है, जो एक सम्मोहक कहानी से प्रेरित है। हम इटरनल 7 के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं और हमारे पास काजोल, प्रभुदेवा, नसीरुद्दीन शाह और संयुक्ता मेनन जैसी बेस्ट कलाकार हैं। काजोल की प्रतिभा और प्रामाणिकता उन्हें इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाती है। बवेजा स्टूडियोज़ में, हम शक्तिशाली कहानियाँ बताने में विश्वास करते हैं, और मैं इतनी शानदार टीम के साथ इस प्रोजेक्ट को जिंदादिली करने के लिए रोमांचित हूँ।

निर्माता वेंकट अनीश डोरिगिल्लू ने कहा, जैसे ही मुझे यह कहानी मिली, मुझे पता था कि इसमें एक पावरफुल मैसेज है जिसे जनता तक पहुंचाने की जरूरत है। निर्देशन के प्रति चरण तेज उप्पलपति की गहरी नजर और हमारे कलाकारों की उल्लेखनीय प्रतिभा के साथ, हमें विश्वास है कि हम एक अद्वितीय दृष्टिकोण प्रदान करेंगे जो इस कहानी को चमका देगी। चरण तेज उप्पलपति द्वारा निर्देशित और लिखित और बवेजा स्टूडियोज और ई7 एंटरटेनमेंट्स के लेबल के तहत हरमन बवेजा और वेंकट अनीश डोरिगिल्लू द्वारा निर्मित, 'महारागिनी - क्वीन ऑफ क्वींस' एक पैन इंडिया फिल्म है जो हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, और मलयालम में रिलीज होगी।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

'इट्स टाइम टू लर्न, अर्न, एंड टर्न टू सक्सेस'। कुछ पाने के लिए पेशेन्स रखना बहुत जरूरी है और वह महिलाओं में भगवान ने गढ़कर भेजा है। इसलिए कोई भी मुक़ाम वे हासिल कर सकती है।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में सिटी मार्केट के पास बुधवार को महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में लाभार्थी चन्द्रकांता बाई धर्मपत्नी स्व. जयप्रकाश दफ्तरी की पुण्यतिथि के निमित्त महाप्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां लगभग 350 लोगों को अन्नदान किया गया। लाभार्थी परिवार के साथ महावीर इंटरनेशल के वाइस चेयरपर्सन नीलम ललवानी, राजकुमारी चंदावत, आशीष बाफना आदि ने अपना सहयोग दिया। संघ के अध्यक्ष भारती छाजेड़ तलेसरा ने लामार्थी सहित सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चीन ने कश्मीर में एलओसी पर पाक के लिए सैन्य सहयोग बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुपवाड़ा/भाषा। चीन बीते तीन साल से जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान के लिए रक्षा सहयोग लगातार बढ़ा रहा है, जिसमें लोहे से ढके बंकरों का निर्माण और मानव रहित लड़ाकू हवाई उपकरणों की तैनाती शामिल है। इसके अलावा चीन एलओसी पर अत्यधिक गोपनीय संचार टावरों की स्थापना और भूमिगत फाइबर केबल बिछाने में भी मदद कर रहा है। वहीं, चीनी मूल की उन्नत रडार प्रणाली, जैसे 'जेवाई' और 'एचजीआर' को मध्यम और कम ऊंचाई वाले लक्ष्य का पता लगाने की क्षमताएं बढ़ाने के लिए तैनात किया गया है, जिससे सेना और वायु रक्षा इकाइयों को महत्वपूर्ण खुफिया सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त, एक चीनी कंपनी की बनाई 155 एमएम होवित्जर तोप एसएच-15 की मौजूदगी भी एलओसी पर विभिन्न स्थानों पर देखी गई है।

इस कदम को चीन के पाकिस्तान के साथ संबंधों को मजबूत बनाने और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विशेष रूप से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को लेकर हुए निवेश की सुरक्षा के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि हालांकि अग्रिम चौकियों पर 2014 की तरह चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी नहीं मिली है, लेकिन कुछ सुरागों से पता चला है कि चीनी सैनिक और इंजीनियर एलओसी पर भूमिगत बंकरों के निर्माण समेत बुनियादी ढांचे बना रहे हैं।

अधिकारियों कहा कि चीनी विशेषज्ञ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की लीपा घाटी में सुरंग निर्माण में लगे हैं, जिससे काराकोरम राजमार्ग से जुड़ने वाली एक सदाबहार सड़क के निर्माण के संकेत मिल रहे हैं।

यह रणनीतिक कदम चीन की महत्वाकांक्षी 46 अरब डॉलर की सीपीईसी परियोजना से जुड़ा है, जिसका लक्ष्य चीन के अवैध कब्जे वाले क्षेत्र काराकोरम राजमार्ग के जरिए पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह और चीन में शिनजियांग प्रांत के बीच एक सीधा मार्ग स्थापित करना है। साल 2007 में, एक चीनी टेलीकॉम कंपनी ने एक पाकिस्तानी टेलीकॉम कंपनी का अधिग्रहण कर लिया था और चाइना मोबाइल पाकिस्तान (सीएमपैक) का गठन किया था – जो कि चाइना मोबाइल कम्युनिकेशंस कॉर्पोरेशन की 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। अगस्त 2022 में, पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) ने पीओके के लिए सीएमपैक (जोंग) के मोबाइल लाइसेंस को नवीनीकृत करते हुए, क्षेत्र में अगली पीढ़ी की मोबाइल सेवाओं (एनजीएमएस) का विस्तार करने की अनुमति दी थी।

हालांकि भारतीय सेना ने इस मामले पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन खुफिया एजेंसियों को कथित तौर पर घटनाक्रम की जानकारी दी जा रही है। क्षेत्र में चीनी सैन्यकर्मियों की निरंतर उपस्थिति ने चिंताएं बढ़ा दी हैं, तथा भारत ने अतीत में गिलगित और बाल्टिस्तान क्षेत्रों में चीनी गतिविधियों पर आपत्ति जताई थी। अधिकारियों ने कहा कि तनाव बरकरार रहने के बावजूद भारत सतर्क है और सीमा पार से आने वाले किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए तैयार है।

मंडी में बुधवार को लोकसभा के लांगना बाजार में विभिन्न स्थानों पर जनता से मुलाकात करती मंडी से भाजपा प्रत्याशी कंगना रानौत।

यह मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात : मेजर राधिका सेन ने संरा के प्रतिष्ठित पुरस्कार पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा यहां प्रतिष्ठित सैन्य पुरस्कार से सम्मानित होने वाली भारतीय शांतिरक्षक मेजर राधिका सेन ने कहा कि बहुपक्षीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। 'यूनाइटेड नेशन्स ऑर्गेनाइजेशन स्टैबिलाइजेशन मिशन इन द डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो' (मोनुस्को) में सेवा दे चुकीं मेजर सेन को 30 मई को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर यहां विश्व निकाय के मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा प्रतिष्ठित '2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड' प्रदान किया जाएगा।

मेजर सेन ने मंगलवार को यहां 'पीटीआई-भाषा' से विशेष साक्षात्कार में कहा, ''यह निश्चित तौर पर मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य का विषय है कि मुझे न केवल अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, बल्कि मेरे सभी सम्मानित सहयोगियों, मोनुस्को के शांतिरक्षकों और विशेष रूप से मेरे देश भारत का भी प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है।''

उन्होंने कहा, ''इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने की भावना को बयां नहीं किया जा सकता।''

संयुक्त राष्ट्र की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं।

वह मेजर सुमन गवानी के बाद इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाने वाली दूसरी भारतीय शांति रक्षक हैं। मेजर गवानी ने दक्षिणी सूडान में संयुक्त राष्ट्र के मिशन में सेवा दी थी और उन्हें 2019 में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।मेजर सेन ने भारतीय दूतावास में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज से भी मुलाकात की। भारतीय राजदूत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मेजर राधिका सेन को कांगो में उत्कृष्ट सेवा के लिए 30 मई को यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उनका समर्पण और बहादुरी एक बेहतर दुनिया के निर्माण में महिला शांतिरक्षकों की अमूल्य भूमिका को दर्शाता है।'' हिमाचल प्रदेश में 1993 को जन्मी मेजर सेन आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुईं। उन्होंने बायोटेक इंजीनियर के तौर पर स्नातक किया। जब उन्होंने सेना में शामिल होने का फैसला किया था, उस समय वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बंबई से परास्नातक की पढ़ाई कर रही थीं। मेजर सेन ने कहा कि आज की दुनिया में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि महिलाएं एक-दूसरे का समर्थन करें और समाज में व्याप्त भेदभाव से लड़ें। उन्होंने कहा, ''साथ ही पुरुषों के लिए भी हर क्षेत्र में महिलाओं, महिलाओं के नेतृत्व का समर्थन करना बहुत महत्वपूर्ण है।''

'नेटवर्किंग के साथ हम व्यापार का असीमित विस्तार कर सकते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'इट्स टाइम टू लर्न, अर्न, एंड टर्न टू सक्सेस'। कुछ पाने के लिए पेशेन्स रखना बहुत जरूरी है और वह महिलाओं में भगवान ने गढ़कर भेजा है। इसलिए कोई भी मुक़ाम वे हासिल कर सकती है। जीवन में हेल्थ और वेल्थ दोनों जरूरी हैं। उक्त विचार मुख्य प्रशिक्षक रेखा जैन-फैशन डिज़ाइनर ने जीतो चेप्टर के अंतर्गत जीतो लेडिस विंग द्वारा संचालित जीतो बिज़नेस नेटवर्क जेबीएन रेफ़रल मीट वी कनेक्ट जीतो कार्यालय राजाजीनगर आयोजित में कही।

उन्होंने जेबीएन के इतिहास और इसकी मुख्यतः के बारे में बताते हुए व्यवसाय में सफलता एवं विस्तार से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। अपने अनुभवों एवं सफलता यात्रा के विभिन्न पड़ाव के बारे में जानकारी साझा की एवं बताया कि किस प्रकार नेटवर्किंग के साथ हम व्यापार का असीमित विस्तार कर सकते हैं। जेबीएन इस दिशा में निरन्तर प्रयास कर रहा है। इस बारे में बताया।

इसके अलावा उन्होंने जेबीएन सदस्यों को 'वन-टू-वन मीटिंग', ऑफिस दर्शन, रेफ़रल और थैंक यू स्लिप के बारे में समझाया। रेखा जैन ने विशिष्ट बिज़नेस से जुड़े अपने साथी सदस्यों को जेबीएन से जोड़ने की बात का आह्वान किया।

'पॉपुलर अम्ब्रेला की प्रमुख दीप्ति शाह ने अपने व्यवसाय का पीपीटी द्वारा विस्तार से बताया। जीतो चेप्टर चेरमेन इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, संयोजक कमल पुनमिया, लेडिस विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा, मीना बडेरा ने शुभकामना दी। जेबीएन सदस्यों ने 30 सेकंड में अपने - अपने व्यवसाय के बारे में साझा करने का अवसर मिला।

बैठक में सामूहिक उपलब्धियों पर चर्चा हुई। साथ ही सर्वश्रेष्ठ पिच, प्रस्तुति, रचनात्मक पिच आदि के लिए महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। जेबीएन रिपोर्ट प्रस्तुति उपाध्यक्ष पिंकी मेहता एवं प्रशिक्षक का परिचय एवं धन्यवाद मंत्री सीमा शाह द्वारा हुआ दिया गया।

पचासवें दीक्षा कल्याणक महोत्सव पर पचास प्रतिशत की छूट

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्यश्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में आचार्यश्री महाश्रमण जी के 50वें दीक्षा कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में नियमित जांच शुल्क पर पांच दिवस तक 50% की विशेष छूट प्रदान की गई। जिसमें एचबी-1सी, विटामिन बी12, विटामिन ड़ी, लिपिड, लिवर, रीनल, थाइरोइड प्रोफाइल, ईसीजी एवं चिकित्सक परामर्श सम्मिलित रहा। लगभग 98 सदस्यों ने इसका लाभ लिया। छूट प्राप्तकर्ताओं ने एटीडीसी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

किलारी रोड ट्रेडर्स एसोसिएशन का पहला स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां किलारी रोड ट्रेडर्स एसोसिएशन (केआरटीए) का प्रथम स्नेह मिलन 26 मई को देवनहल्ली के वीरडेंसी रिसोर्ट में आयोजित किया गया। जिसमें 150 सदस्यों ने भाग लिया। एसोसिएशन सचिव पूनम मेहता ने बताया की मनोरंजन एवं खेल-कूद प्रतियोगिताएँ में एसोसिएशन के सदस्यों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और विजेताओं का विभिन्न उपहारों से सम्मान किया।

दोपहर के बाद आयोजित समारोह में संयोजकों के प्रॉडक्ट्स की प्रदर्शनी बैनर्स द्वारा लगायी गई थी। सभी बैनर्स दाताओं का भी सम्मान किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष सज्जनराज कोठारी, कोषाध्यक्ष गणपत माली ने सभी आगुन्तकों का स्वागत किया। अध्यक्ष कोठारी ने एसोसिएशन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला साथ ही आने वाले समय में ऐसे कार्यक्रम करने की बात कही। कोषाध्यक्ष गणपत माली का विशिष्ट कार्यों में विशेष सहयोग रहा। प्रायोजक श्रीमान ट्रेडिंग कम्पनी और उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। अध्यक्ष सज्जनराज कोठारी को एसोसिएशन की ओर से 'सारथी सम्मान' स्वरुप स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी सहयोगियों और पदाधिकारियों के द्वारा केआरटीए का सदस्यता प्रमाणपत्र का अनावरण किया गया। सभी सदस्यों को उनकी दुकान के नाम से प्रमाणपत्र दिया गया। एसोसिएशन के सचिव पूनम मेहता ने सभी सहयोगियों, संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

चीन की धमकियों के बाद अमेरिका ने ताइवान के लिए नियुक्त किया नया प्रतिनिधि

ताइपे। ताइवान में नए राष्ट्रपति के चुनाव के बाद इस स्वशासित द्वीप के खिलाफ चीन द्वारा अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के कारण अमेरिका ने ताइवान के लिए एक नया प्रतिनिधि नियुक्त किया है। ताइवान के नए राष्ट्रपति चाहते हैं कि क्षेत्र अपनी वास्तविक स्वतंत्रता बनाए रखे।

चीन दावा करता है कि ताइवान उसका अपना क्षेत्र है। इस सप्ताह उसने नौसेना और वायु सेना के अभ्यास का आयोजन किया था।

ताइपे में वास्तविक दूतावास के रूप में कार्य करने वाले अमेरिकी संस्थान ने बुधवार को कहा कि अनुभवी राजनयिक रेमंड ग्रीन 2024 की गर्मियों से सैंड्रा औडकिर्क से कार्यभार संभालेंगे।

तेयुप टी. दासरहल्ली का सातवां वार्षिक सम्मान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां टी. दासरहल्ली में तेरापंथ युवक परिषद ने अपना सातवां वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन मंगलवार को तेरापंथ भवन में किया। सामुहिक नमस्कार मंत्र द्वारा कार्यक्रम का मंगल शुभारम्भ हुआ। परिषद के अध्यक्ष देवीलाल गांधी ने पधारे हुए सभी का स्वागत किया। मंत्री दिलीप पितलिया ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सभाध्यक्ष नवरत्नमल गांधी, महिला मंडल अध्यक्ष नेहा चावत, तेयुप परामर्शक प्रकाशचंद्र गांधी, लादूलाल बाबेल, भगवतीलाल मांडोत, प्रवीण बोहरा, परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप पोखरना, उपाध्यक्ष प्रथम देवेंद्र बाबेल, उपाध्यक्ष द्वितीय अशोक बोहरा, सहमंत्री प्रथम कैलाश गिलुंडिया, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीलाल गांधी, संगठन मंत्री सुनील दक, प्रचार प्रसार मंत्री कार्तिक बोहरा ने अपने विचार व्यक्त किए। परिषद द्वारा सभी कार्यसमिति सदस्य, परामर्शक, कैबिनेट साथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। परिषद् द्वारा तेरापंथ सभा ट्रस्ट के नवमनोनीत अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संपूर्ण तेरापंथ समाज की उपस्थिति रही। संचालन एवं अभार मंत्री दिलीप पितलिया ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रवेश

बेंगलूरु से विहार करते हुए 29 मई को आचार्यश्री महेन्द्रसागर सूरीश्वरजी म. सा. का पूना शहर में आगमन हुआ। प्रताप भाई के नूतन निवास स्थल पर आचार्यश्री एवं मुनिवृंदों का संघ ने स्वागत किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com